PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 25 ● भिलाई, मंगलवार 11 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### तेज रफ्तार कार ने कांवड़ियों को कुचला, 3 की मौके पर मौत

**फतेहगढ़।** फतेहगढ़ साहिब में तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला, जहां कार ने 4 कांवड़ियों को कुचल दिया, जिससे 3 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 1 की हालत गंभीर बनी हुई है। ये सभी शिवरात्रि के लिए गंगोत्री से गंगाजल की डाक कांवड़ लेकर फरीदकोट लौट रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। हादसा सरहिंद-मंडी गोबिंदगढ़ के बीच हाईवे पर हुआ। सभी मृतक कोटकपूरा के रहने वाले हैं। इसमें डॉक्टर हरपाल गली निवासी जगदीश मित्तल (40), हरीनौ रोड निवासी महेंद्र पाल (43) और सुरगापुरी निवासी दीपक कुमार(42) शामिल हैं। जबकि गंभीर घायल कोटकपूरा के सरकारी गर्ल स्कूल के पास रहने वाले मुकेश गोयल को अस्पताल भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार, यह कांवड़िए कोटकपूरा से दो अलग-अलग कांवड़ संघों के साथ गंगोत्री से डाक कांवड़ लाने के लिए रवाना हुए थे। 30 जुलाई को वे गंगोत्री के लिए रवाना हुए थे और 10 अगस्त, सोमवार को कांवड़ लेकर कोटकपूरा वापस लौटना था।

### हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की आशंका

**नई दिल्ली।** मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 10 से 13 अगस्त के बीच जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भारी बारिश हो सकती है। वहीं 9 से 15 अगस्त तक हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी तेज बारिश के आसार हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 10 अगस्त को और 9-13 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी तेज बारिश होने की आशंका है। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है। 9-15 अगस्त के दौरान उत्तराखंड और 9-10 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका है। हिमाचल प्रदेश में 9 अगस्त और 12-15 अगस्त के दौरान भारी बारिश की आशंका है।

### आरक्षण में क्रीमी लेयर की बात करना सामाजिक न्याय और संविधान की मूल भावना के खिलाफ

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर आरएसएस प्रमुख के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि क्रीमी लेयर की बात करना अनुचित ही नहीं, बल्कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के मानवतावादी संविधान के पवित्र उद्देश्यों के विरुद्ध है। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, देश में बहुजन समाज में से खासकर एससी, एसटी व ओबीसी वर्गों के लिए आरक्षण सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति अर्थात् हमेशा से इनके आत्म-सम्मान की जिंदगी से जुड़ा अति-महत्वपूर्ण व अत्यंत संवेदनशील मामला है।

**देवेंद्र नाथ महतो को एंबुलेंस से ले गई पुलिस**

# रांची में भारी बवाल! विधानसभा से भगाए गए प्रदर्शनकारी

रांची/ एजेंसी

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ सोमवार को करीब दस घंटे तक चले विधानसभा घेराव के बाद पुलिस ने शाम सात बजे विधानसभा की चहारदीवारी के बाहर की सड़क को खाली करा दिया। पुलिस ने विधानसभा के गेट के सामने डटे छात्रों को खदेड़ने के लिए लाठी चार्ज किया। इस दौरान कई छात्र-छात्राएं सड़क पर लेट गए और हटने से इनकार किया। पुलिस ने उन्हें वहां से हटाया और कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। विधानसभा के गेट नंबर एक के सामने नौ दिनों से अनशन कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो भी आंदोलनकारियों के साथ डटे थे। पुलिस उन्हें जबरन एंबुलेंस पर लादकर मौके से ले गई। महतो नौ दिनों की भूख हड़ताल के बावजूद सोमवार को एंबुलेंस और बाद में स्ट्रेचर के जरिए प्रदर्शन स्थल तक पहुंचे थे। आंदोलनकारी छात्रों के एक अन्य नेता रवींद्र पासवान ने कहा कि हमारा आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। अब यह जनआंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि अब कोई भी बात सीधे मुख्यमंत्री से ही होगी और वे जब तक जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को रद्द करने और परीक्षाओं में गड़बड़ी की सीबीआई जांच की मांग नहीं मानते, आंदोलन जारी रहेगा। सुबह करीब नौ बजे पुराने-पुराने विधानसभा परिसर के पास जुटे छात्रों ने दिनभर कई स्तर की बैरिकेडिंग तोड़ी। शाम करीब चार बजे छात्रों ने आखिरी बैरिकेडिंग भी पार कर ली थी। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र विधानसभा के

गेट के सामने और आसपास की सड़कों पर पहुंच गए। छात्रों को रोकने के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई जगह टकराव हुआ। पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद आंसू गैस के गोले छोड़े गए और लाठीचार्ज किया गया। प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव की भी खबर सामने आई। इस दौरान कई छात्र और पुलिसकर्मी घायल हुए। दिनभर के घटनाक्रम के बाद शाम सात बजे पुलिस ने विधानसभा के सामने की सड़क को खाली कराया। हालांकि, आंदोलन पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। सैकड़ों छात्र विधानसभा से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर अब भी मौजूद हैं। वे अलग-अलग समूहों में जमा हैं और अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं। छात्र 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा सहित विवादित परीक्षाओं को रद्द करने, भर्ती प्रक्रिया में सुधार और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। रविवार को सरकार और छात्र प्रतिनिधियों के बीच तीसरे दौर की वार्ता बेनतीजा रहने के बाद सोमवार को विधानसभा घेराव का कार्यक्रम तय किया गया था। इस बीच छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि आंदोलन अब जनआंदोलन बन चुका है और रुकने वाला नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने के लिए वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल कर रही है।

### राहुल गांधी बोले- बातचीत से सुलझाएं जेपीएससी और जेएसएससी विवाद

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर छात्रों का आंदोलन लगातार जारी है। सोमवार को विधानसभा मार्च के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हो गया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग किया और लाठीचार्ज भी किया। इस घटना को लेकर अब कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इ्स पर पोस्ट कर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफबल प्रयोग की निंदा की। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है।

**आप 56 वाले हो, डरो मत**

## राहुल थोड़ी राजनीतिक धुलाई करेंगें-संजय राउत

संजय राउत तंज कसते हुए हमला बोला है. सांसद में नरेंद्र मोदी और अमित शाह की गैरमौजूदगी को लेकर विपक्षी गठबंधन लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए है. सांसद संजय राउत ने आगे कहा कि राहुल गांधी संसद के मुख्य दरवाजे पर खड़े हैं।

**नई दिल्ली।** शिवसेनासांसद संजय राउत ने पीएम मोदी और अमित शाह पर निशाना साधते हुए सदन से अनुपस्थित रहने को लेकर तीखा हमला बोला है. संजय राउत ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की संसद में अनुपस्थिति पर सवाल उठाए. संसद के जारी मानसून सत्र के दौरान संजय राउत ने तंज कसते हुए कहा कि आप 56 इंच वाले हो, एक बार अंदर आकर तो देखो. डरो मत. राहुल गांधी बस थोड़ी सी धुलाई करेंगे. 'राहुल गांधी अच्छे इंसान हैं, डरो मत, बस थोड़ी धुलाई करेंगे', संसद में पीएम मोदी की अनुपस्थिति पर

गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के बाद, स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के जवान जलमग्न इलाके से लोगों को बचा रहे हैं।

**किरन रिजिजू का बड़ा बयान**

## छात्रों पर लोकसभा में अमित शाह देंगे जवाब

**नई दिल्ली।** मानसून सत्र के दौरान विपक्ष की ओर से छात्र आंदोलन को लेकर सदन में चर्चा कराने की मांग पर सरकार तैयार हो गई है। किरन रिजिजू ने आज इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर डिटेल में चर्चा कराएगी, एक-एक बात का जवाब दिया जाएगा। गृह मंत्री सदन में जवाब देंगे। लेकिन रिजिजू ने कहा कि सरकार की ओर से जो जवाब दिया जाएगा विपक्ष को उसे सुनना होगा। ऐसा नहीं कि जब सरकार के गृह मंत्री की ओर से जवाब दिया जाने लगे तो विपक्ष के लोग हो-हल्ला करें या फिर हंगामा करने लगें। उन्हें गृह मंत्री और सरकार का जवाब सुनना चाहिए। वहीं विपक्ष के सूत्रों ने कहा कि अगर गृह मंत्री छात्रों के मुद्दे पर सदन में बयान देने को तैयार हैं तो राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर क्यों नहीं? जब तक दोनों मुद्दों पर बयान नहीं होता तब तक गतिरोध खत्म नहीं होगा।

**आदिवासी दिवस पर बधाई संदेश नहीं....**

## अपने कर्मों का पाप धोने तिरंगा यात्रा निकाल रहे भाजपाई-बैज

रायपुर। संवाददाता

भाजपा की तिरंगा यात्रा को लेकर सियासत शुरू हो गई है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा है कि जो तिरंगा के तीनों रंगों को अशुभ मानती थी, जो लोग आजादी के बाद तिरंगा नहीं फहराया, जो अंग्रेजों की दलाली करते थे, अंग्रेजों की सेना में अपने लोगों की भर्ती करने वाले थे आज वो तिरंगा यात्रा निकालकर देश के लोगों को देशभक्ति का पाठ पढ़ा रहे हैं। बीजेपी और आरएसएस ने तिरंगा झंडा को कभी नहीं स्वीकारा था। उनकी शाखा में देशभक्ति का पाठ पढ़ा रहे हैं। भाजपा के लोगों को अपने इतिहास को याद करना चाहिए। बैज ने कहा, भाजपाई अपने कर्मों का पाप धोने तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। दीपक बैज ने कहा, आदिवासी दिवस पर बीजेपी नेताओं ने बधाई नहीं दी। आदिवासी दिवस में सभी लोगों ने मिलकर कार्यक्रम में शामिल होकर आदिवासी दिवस मनाया है। सवाल यह है कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी के आदिवासी नेता, चुने हुए मंत्री और देश की राष्ट्रपति और छत्तीसगढ़ के आदिवासी सीएम का बधाई संदेश नहीं आया है। 2023 के पहले यही नेता सरकार बनने के पहले आदिवासियों को बधाई देते थे, आज बधाई नहीं दे रहे हैं। बैज ने कहा, सरकार और आदिवासी नेता को बताना चाहिए कि क्या बीजेपी सरकार आदिवासी एकता और अखंडता को तोड़ना चाहती है इसलिए आदिवासी दिवस का बधाई नहीं दे रहे हैं। बृजमोहन अग्रवाल को देखें, जो आदिवासी नहीं है फिर भी उन्होंने बधाई दी है। ये भाईचारा है, एकता है।

### मॉर्निंग वॉक के दौरान भीषण हादसा, अनियंत्रित वाहन ने 3 महिलाओं को कुचला

**मधुबनी।** बिहार के मधुबनी जिले के बेनीपट्टी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह सड़क हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई। हादसा बेनीपट्टी स्टेट हाईवे पर जगदंबा पेट्रोल पंप के पास उस समय हुआ, जब महिलाएं मॉर्निंग वॉक के बाद घर लौट रही थीं। इसी दौरान एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में तीनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान धकजरी गांव के नवटोली निवासी रीता देवी (42), किरण देवी (40) और फूलदाई देवी (70) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, कुछ महिलाओं का एक समूह रोजाना की तरह सुबह भी मॉर्निंग वॉक के लिए निकला था।

**उच्चतम न्यायालय का आदेश**

## अभिषेक को तीन हफ्ते के लिए विदेश जाने की अनुमति दी.....

नयी दिल्ली/ एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा 16 मुकदमे लंबित होने और लौटकर नहीं आने की दलीलों को दरकिनार करते हुए सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को आंखों के उपचार के वास्ते तीन हफ्ते के लिए विदेश जाने की अनुमति दे दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने टिप्पणी की कि हर व्यक्ति को अपने इलाज के लिए चिकित्सक को चुनने का अधिकार है। साथ ही बनर्जी को निर्देश दिया कि वह विदेश में ठहरने के स्थान सहित अपनी यात्रा का पूरा ब्योरा जांच एजेंसी को दें। तृणमूल सांसद ने कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा पांच अगस्त को दिये गए उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। पश्चिम बंगाल सरकार का पक्ष रखने के लिए पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि बनर्जी के खिलाफ 16 मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा, हमें आशंका है कि वह शायद वापस न लौटे। पीठ ने कहा, प्रत्येक व्यक्ति को विदेश जाने का अधिकार है। हर व्यक्ति को अपने इलाज के लिए चिकित्सक को चुनने का अधिकार है। बनर्जी का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने राजू की दलीलों का विरोध किया और कहा कि तृणमूल नेता एक सांसद हैं और उनका परिवार भारत में है। उन्होंने कहा कि बनर्जी के खिलाफ अधिकतर मामले पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने के बाद दर्ज किए गए हैं।

**मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हाथ में तिरंगा थामकर किया भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व**

# मुख्यमंत्री ने कहा-140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है तिरंगा

- तिरंगे के रंग में रंगा रायपुर, राष्ट्रध्वज के तले एकजुट हुआ जनसैलाब
- छत्तीसगढ़ के वीर सपूतों की शौर्यगाथा का किया स्मरण, शहीद वीर नारायण सिंह और गुण्डाधुर को किया नमन

रायपुर/ संवाददाता

हाथों में लहराता तिरंगा, भारत माता के जयघोष, देशभक्ति के गीत और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हजारों नागरिकों का उत्साह - राजधानी रायपुर आज पूरी तरह तिरंगे के रंग में रंगी नजर आई। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा में हजारों नागरिक राष्ट्रध्वज के तले एकजुट हुए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वयं हाथ में तिरंगा थामकर जनसैलाब के साथ कदम से कदम मिलाया। यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, पूर्व सैनिकों और विभिन्न सामाजिक वर्गों के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा हाथों में थामा गया लगभग एक किलोमीटर लंबा तिरंगा पूरे आयोजन का विशेष आकर्षण रहा। तिरंगा यात्रा के शुभारंभ से लेकर समापन तक राजधानी में राष्ट्रभक्ति का अद्भुत वातावरण दिखाई दिया। हजारों हाथों में एक साथ लहराते राष्ट्रीय ध्वज और भारत माता के जयघोष ने पूरे यात्रा मार्ग को राष्ट्रप्रेम की भावना

से भर दिया। मुख्यमंत्री श्री साय भी नागरिकों के बीच तिरंगा लेकर आगे बढ़े। इस दौरान नागरिकों में मुख्यमंत्री के साथ चलने और राष्ट्रध्वज के सम्मान में आयोजित इस यात्रा का हिस्सा बनने को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। यह केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, स्वाभिमान और असंख्य बलिदानों का प्रतीक है। तिरंगे में देश के 140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की अद्भुत शक्ति है। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और क्षेत्रों की विविधता के बावजूद तिरंगा हम सभी को भारतीय होने के एक साझा गौरव से जोड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तिरंगा लहराता है तो प्रत्येक भारतीय के मन में स्वाभाविक रूप से राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान का भाव जागृत होता है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और एक सशक्त राष्ट्र के रूप में भारत की यात्रा का साक्षी है। तिरंगा हमें अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का भी स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान आज एक व्यापक जनअभियान का स्वरूप ले चुका है। इस अभियान ने तिरंगे को घर-घर तक पहुंचाने के साथ राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत किया है।

### जो कहती है उसके विपरीत चलती है भाजपा, राम नाम जपना, पराया माल अपना

रायपुर। तिरंगा यात्रा को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 52 साल तक आरएसएस कार्यालय में तिरंगा झंडा नहीं फहराया गया, छत्तीसगढ़ में बीजेपी तिरंगा यात्रा निकाल रही है। बीजेपी जो कहती है उसके विपरीत चलती है। मोदी ने कहा था देश नहीं बिकने दूंगा, आज देश बिक रहा है, यह क्षद्म राष्ट्रवाद है। राम नाम जपना पराया माल अपना, अब तो राम का माल भी नहीं छोड़ रहे हैं। प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर पूर्व सीएम बघेल ने कहा, कानून व्यवस्था का हाल बेहाल है। एक सप्ताह में 6 से 6 हत्याएं हो रही है। एक ही युवती से दो बार गैंगरेप हो रहा है। गृह मंत्री का ध्यान पंचायत की ओर है। अब गांवों में टैक्स लेने का फरमान जारी हुआ है। एक हजार रुपए क्या दिए उसके बदले वसूलना शुरू कर दिए हैं।

# सादगीपूर्ण व्यवहार से कलेक्टर ने जीता जिलेवासियों का दिल

**धमतरी।** कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के नेतृत्व में धमतरी जिले में डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में विकास के नये आयाम स्थापित किये गये हैं। उन्होंने बहुप्रतीक्षित मांगों को पूरा कर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर जिलेवासियों का दिल जीत लिया है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कई परियोजनाओं पर एक साथ काम चल रहा है जिसमें उद्योगों की नई धरती, नये अवसरों की खेती, कुरूद का नया 100 बिस्तरीय अस्पताल, बॉक्स क्रिकेट मैदान, सोंढूर नहर परियोजना से किसानों को मिलने वाला लाभ, हाईटेक नर्सरी, किसान प्रशिक्षण केंद्र और फूड प्रासोसिंग इन्क्यूबेशन सेंटर से जिले में उद्यानिकी विकास की नई संभावनाएं, फसल चक्र परिवर्तन, मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र, धमतरी शहर का ड्रेनेज प्लान, मल्टीपरपस इंडोर हॉल, गंगरेल में साईंस पार्क, नक्शा परियोजना के लिये धमतरी शहर चयनित, पक्की सड़कों ने खोले कमार बसाहटों में विकास के दरवाजे, सात सड़कें बनकर तैयार, 29 और बनेंगी, मां अभियान, युवाओं को अपना स्टार्टअप शुरू करने सहायता देना, युवा फैस्ट, गंगरेल नौकायन उत्सव, डुबान क्षेत्र में राहत की पहल, वॉटर एंबुलेंस की शुरूवात, मखाना हब हेतु केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा मखाना बोर्ड गठन को लेकर की गई घोषणा, नीट, जेईई परीक्षाओं के लिये निःशुल्क कोचिंग, करियर गाइडेंस, नया मिल्क रूट विकसित करने की योजना, खेती किसानी में एआई का उपयोग, किसानों से किसानों को कृषि तकनीकों का हस्तांतरण आदि विकास कार्य जिले में जारी है। पिछले वर्ष आयोजित सुशासन तिहार के तहत अनेक बहुप्रतीक्षित मांगों के लिये शासन से करोड़ों रूपये की स्वीकृति मिली है जिनके साकार होने के बाद लोगों को महसूस होगा जैसे वे किसी अत्याधुनिक शहर में आ गये हैं। बेरोजगार युवाओं से लेकर हर वर्ग के लिये तेजी से काम हो रहा है जिनके पूरा होने के बाद इनका प्रभाव लोगों के जीवन शैली पर भी दिखेगा।

## युवाओं के लिये खेल एवं पढ़ाई के लिये नये रास्ते खुले

युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिये जिला प्रशासन और नगर निगम संयुक्त रूप से डॉ शोभाराम देवांगन हा.से.स्कूल के एकलव्य मैदान में बॉक्स क्रिकेट मैदान तैयार हो चुका है जिससे खेलों को नई दिशा मिलेगी और युवाओं में खेल के प्रति रूचि और उत्साह को बढ़ावा मिलेगा। किसानों को दोहरी फसल का लाभ दिलाने सोंढूर बांध से जुड़ी नहरों का विस्तार, सुदृढ़िकरण के तहत सिहावा वितरक 1 और नगरी वितरक नहर 2 का विकास किया जा रहा है जिसकी कुल लंबाई 30 किमी है। इनमें दुगली, सिंगपुर नहर का 22 किमी विस्तार प्रस्तावित है। किसानों को उद्यानिकी क्षेत्र के लिये कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कुरूद, चरा परिसर में स्थापित किया जा रहा है। यह परियोजना न केवल जिले की उद्यानिकी गतिविधियों को गति प्रदान करेगी बल्कि क्षेत्र के किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाने, किसानों को नई कृषि पद्धति, ज्ञान और तकनीक का नया प्रसार आदि का सृजित करने के लिये मील का पत्थर साबित होगा। ग्रीष्म कालीन धान के बदले दलहन, तिलहन, मक्का, उद्यानिकी और नगदी फसलों की खेती को बढ़ावा मिलेगा जिससे किसान लाभान्वित होंगे। जल जीवन मिशन के तहत 99.51 प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल-जल कनेक्शन 1 लाख 54 हजार, 25 घर लाभान्वित हो चुके हैं। 580 नई पेयजल योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं जिनमें 496 ग्रामों में शुद्ध पेयजल उपलब्धता अबाध रूप से जारी है। बाला कांसेप्ट पर आधारित 51 नये आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वीकृति, समूचे राज्य में मॉडल के रूप में चयनित किया गया है जो जिले के लिये गर्व का विषय है। इसी तरह धमतरी शहर को जल भराव से मुक्ति के लिये 6 स्थानों में नाला सफाई, रिटर्निंग वॉल, पंप हाऊस जैसे काम पहले चरण में शुरू हो गये हैं। दीक्षित नाला, सोरिद नाला, बांकरे नाला, पीडी नाला की सफाई हेतु 5.76 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये हैं।

## डुबान क्षेत्र में वॉटर एम्बुलेंस की व्यवस्था

6इसके अतिरिक्त उन्होंने डुबान क्षेत्र के लोगों को वॉटर एम्बुलेंस की सौगात देकर लगभग 40 किमी की दूरी को मात्र 8 किमी के दायरे में ला दिया जबकि डुबान क्षेत्र के लोगों को अपने किसी रिश्तेदार की तबीयत खराब होने पर त्वरित उपचार के लिये कई किलोमीटर का सफर तय कर शहर अस्पताल में लाया जाता रहा। लेकिन जबसे वॉटर एंबुलेंस का संचालन शुरू हुआ है, तबसे ऐसे किसी भी गंभीर मामले का त्वरित निराकरण मात्र कुछ मिनटों में ही तय हो रहा है। जिले में उपरोक्त सुविधाओं की पूर्ति के लिये कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिस प्रकार लगन से काम किया है।

## पर्यटन के क्षेत्र में धमतरी जिले को मिली नई पहचान

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने धमतरी जिले को पर्यटन के क्षेत्र मे विशिष्ट पहचान दिलाने की अपनी योजना के तहत बीते दिनों गंगरेल बांध में नौकायन स्पर्धा का सफल आयोजन कर एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाया। इस स्पर्धा में धमतरी समेत कांकेर, बालोद समेत अन्य जिलों के प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया और आयोजन की जमकर तारीफ की। यह आयोजन को लेकर प्रतिभागियों ने जिला प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया। बीते वर्ष मार्च माह में जिले में पदभार ग्रहण करने के बाद से ही कलेक्टर श्री मिश्रा को महसूस हुआ कि धमतरी में पर्यटन विकास की भरपूर संभावनाएं है। इसके बाद से ही उन्होंने इस दिशा में पहल शुरू कर दी। सबसे पहले उन्होंने नाव में सवार होकर गंगरेल बांध के टापूओं और तटवर्ती सुदूर वन क्षेत्रों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने योजना बनाकर गंगरेल के ठेमली आईलैंड समेत अन्य क्षेत्रों में विकास कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। जिले में लुप्त पड़ी पर्यटन समिति को बैठक लेकर उन्होंने जिले में पर्यटन विकास पर गहन विचार मंथन किया और संभावनाएं जानीं। साथ ही पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण सभी जगहों के समग्र विकास की योजना बनाकर काम शुरू कराया था जो प्रगति पर है। चाहे वह श्रृंगि ऋषि पर्वत के गणेश घाट का विकास हो या नरहरा जलप्रपात का मामला हो, उन्होंने इसे पर्यटन के क्षेत्र में लाने के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये हैं।

## अब तक नहीं दी आदिवासी भूमि विक्रय की अनुमति

कलेक्टर मिश्रा ने जिले के एक ऐसे कलेक्टर के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं जिन्होंने अपने अब तक के कार्यकाल के दौरान किसी भी आदिवासी की भूमि को गैर आदिवासियों को बिक्री की अनुमति नहीं दी है जबकि इसके पूर्व नियम कानून को धत्ता बताकर धड़ल्ले से यह कार्य होता रहा है। लेकिन मिश्रा ने इस कार्य को पूरी तरह रोक लगा दिया है जिससे आदिवासी समाज भी काफी खुश है। सर्व आदिवासी समाज धमतरी जिला छग के द्वारा इसकी शिकायत पिछले वर्ष से लगातार की गई जिसमें इनके द्वारा मांग की गई थी कि भोले-भाले आदिवासियों को राशि का प्रलोभन देकर उनके कृषि भूमियों को औने-पौने दाम में भूमाफियाओं द्वारा खरीदकर उसमें विशालकाय कालोनियां बनाकर उसे लाखों रूपये में बेचा जाता है। इस पर रोक लगाने को लेकर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने भी आयुक्त रायपुर संभाग को एक पत्र प्रेषित किया जिसमें इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही कर, कृत कार्यवाही से शिकायतकर्ता, आवेदक तथा इस विभाग को भी अवगत कराने की बात कही गई है। खबर के मुताबिक वर्तमान कलेक्टर मिश्रा ने किसी भी आदिवासी भूमि को, गैर आदिवासी को विक्रय किये जाने का कोई भी आदेश अब तक नहीं किया है जिससे भूमाफियाओं की नींद उड़ चुकी है।

# एग्रीस्टेक पंजीयन के नाम पर किसान परिवार को तोड़ने की साजिश : आलोक चंद्राकर

**महासमुंद।** छ.ग. सरकार जीव जंतु कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष आलोक चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार धान खरीदी की जिम्मेदारी से बचने के लिए, लचर पोर्टल से पंजीयन, रकबा समर्पण, किसानों के घर छापा, खाद की कृत्रिम संकट तैयार करने के बाद अब किसानों पर एक और बखेड़ा नियम थोपने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह नियम किसान परिवार को तोड़ने व बंटवारा की साजिश में झोंकने वाला है जो सीधे तौर पर किसान परिवार के साथ अन्याय है।

प्रदेश कांग्रेस के स महामंत्री आलोक चंद्राकर ने बताया कि एग्रो स्टिक पोर्टल में पंजीयन के लिए सामिलात खाते के किसान परिवार के सभी सदस्यों के पोर्टल में पंजीयन की अनिवार्यता लागू कर दी गई है सरकार आज तक एग्रो स्टिक पंजीयन पोर्टल के सर्वर को ठीक नहीं कर सकी है जिसके चलते पिछले साल लगभग 2 लाख किसान धान बेचने से वंचित हुए थे। अब सामिलात खाता के सभी को पंजीयन करना है ऐसी दशा में परिवार के बहन- बेटी- भाई जो विवाह के बाद या अपने रोजगार के कार्य से अन्यत्र जिले या प्रदेश में निवासरत हैं, उन्हें मात्र पंजीयन कराने के लिए अपने घर परिवार-काम को छोड़कर आकर जूझना पड़ रहा है और लगातार सर्वर डाउन के चलते कृषक परिवार के सदस्यों को दो-तीन दिन इंतजार करना पड़ रहा है जिससे उनके परिवार एवं रोजगार पर विपरीत असर पड़ रहा है जो उचित नहीं है और इन सब मामलों के कारण परिवार में विघटन, दरार और बंटवारा के हालात भी निर्मित हो रहे हैं जो बाहर निवासरत है वे वहां से जानकारी के अभाव में पोर्टल में पंजीयन के लिए असमर्थ हो रहे है। मात्र किसानों के धान को खरीदने से बचने के लिए सरकार की यह साजिश पूर्ण निर्णय है ढाई सालों में छ ग सरकार ने अन्नदाताओं से खरीदे गए धान का उठाव कराने में असफल है धान को चूहे खाने की बात, सूखत के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वालों को बचाने, केंद्र सरकार के बोनस को हड़पने के अलावा किसानों के हित में कोई काम नहीं किया है। चंद्राकर ने इस बेतुके निर्णय जल्द वापस लिए जाने का माँग किया है।

## नन्हे हाथों से बड़ा संदेश-नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, सार्थक द्वारा जागरूकता गतिविधि आयोजित

**धमतरी।** नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग, धमतरी से सहायता प्राप्त संस्था सार्थक द्वारा नशामुक्ति जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। इसमें सार्थक के विशेष बच्चों ने रंगोली, ड्राइंग एवं पेंटिंग के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। बच्चों की कलाकृतियों में नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, नशे से दूर रहें, स्वस्थ जीवन जिएँ जैसे संदेशों के माध्यम से नशामुक्त समाज का आह्वान किया गया। विशेष बच्चों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से समाज को स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन अपनाने और नशे से दूर रहने का प्रेरणादायी संदेश दिया। इस अवसर पर भारती, प्रीति, प्राची, वत्सला, श्वेता, मनीषा, एकलव्य, निखिल, यज्ञदत्त, विनीत, निमेश एवं इशू ने सहभागिता की।

# देमार स्कूल में स्वास्थ्य शिविर के साथ विद्यार्थियों को मिला करियर मार्गदर्शन

**धमतरी।** धमतरी विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देमार में रोटरी क्लब धमतरी द्वारा स्वास्थ्य शिविर एवं प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ शिक्षा, व्यक्तित्व विकास, करियर निर्माण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नाहटा ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अपने जीवन एवं प्रशासनिक सेवा से जुड़े अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन के साथ आगे बढ़ने और निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सफलता की शुरुआत हो सकती है। लेकिन लक्ष्य के प्रति निरंतर मेहनत, समय का सदुपयोग, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही सफलता को स्थायी बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन का महत्व समझाते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की नींव तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर है। पढ़ाई के साथ सामान्य ज्ञान बढ़ाने, समाचार पत्र पढ़ने, समसामयिक घटनाओं से परिचित होने तथा अपने आसपास की परिस्थितियों को समझने की आदत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन की अध्ययन योजना बनाने और बड़े लक्ष्य को छोटे-छोटे चरणों में विभाजित कर निरंतर तैयारी करने की सलाह दी।

## विद्यार्थी भूमिका सेन के सवाल पर मिला आईएएस बनने का मार्गदर्शन

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में सीईओ जिला पंचायत जयंत नाहटा से संवाद को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। कक्षा नौवीं की छात्रा भूमिका सेन ने उनसे पूछा कि आईएएस बनने के लिए क्या योग्यता आवश्यक है और इसकी तैयारी किस प्रकार की जाती है। छात्रा के सवाल का जवाब देते हुए नाहटा ने सहज एवं प्रेरक तरीके से सिविल सेवा परीक्षा की प्रक्रिया तथा अपनी प्रशासनिक सेवा तक की यात्रा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करनी होती है। इसके लिए स्नातक स्तर की शिक्षा के साथ सामान्य अध्ययन, समसामयिक घटनाओं, लेखन कौशल और नियमित अध्ययन पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि किसी बड़े लक्ष्य को देखकर घबराने के बजाय उसे छोटे-छोटे लक्ष्यों में बांटकर चरणबद्ध तैयारी करना अधिक प्रभावी होता है।

## विद्यालय के लिए चार अतिरिक्त कक्ष और बालिका शौचालय की घोषणा

विद्यालय में अध्ययन के प्रति विद्यार्थियों की रुचि एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण को देखते हुए जयंत नाहटा ने विद्यालय के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने वीबी.जी रामजी योजना के तहत विद्यालय में चार अतिरिक्त कक्ष एवं बालिका शौचालय स्वीकृत किए जाने की घोषणा की। घोषणा से विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में उत्साह का वातावरण बना। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बेहतर शैक्षणिक अधोसंरचना अत्यंत आवश्यक है। अतिरिक्त कक्षों के निर्माण से विद्यार्थियों के लिए अध्ययन की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी, वहीं बालिका शौचालय की सुविधा से छात्राओं को आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी और विद्यालय में उनके लिए अधिक सुविधाजनक एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तैयार होगा। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

# परीक्षा तिथियों में संशोधन की मांग राजा देवांगन ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

**धमतरी।** आगामी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तिथियां आपस में टकराने के कारण प्रदेश के हजारों अभ्यर्थियों के सामने परीक्षा के अवसर से वंचित होने की स्थिति निर्मित हो रही है। इस गंभीर विषय को लेकर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र प्रेषित कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तिथियों में आवश्यक संशोधन करने की मांग की है, ताकि प्रदेश के युवाओं को सभी परीक्षाओं में शामिल होने का समान और स्वतंत्र अवसर मिल सके। राजा देवांगन ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा महीनों और वर्षों तक मेहनत करते हैं। ऐसे में अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं की तारीखें एक-दूसरे से टकराने के कारण अभ्यर्थियों को मजबूरी में किसी एक परीक्षा का चुनाव करना पड़ रहा है।

यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इसका सीधा असर युवाओं के भविष्य पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस भर्ती प्रक्रिया की मुख्य परीक्षा के लिए चयनित 7301 अभ्यर्थी 24, 25 एवं 26 अक्टूबर को मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाले हैं। वहीं 25 अक्टूबर को ही कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 1656 शिक्षक पदों के लिए परीक्षा निर्धारित की गई है। इसी प्रकार बैंकिंग क्षेत्र में भर्ती के लिए आयोजित आईबीपीएस परीक्षा 4 अक्टूबर को प्रस्तावित है और उसी दिन सीजी सेट परीक्षा भी आयोजित की जा रही है। ऐसी स्थिति में दोनों परीक्षाओं के पात्र हजारों अभ्यर्थियों के सामने किसी एक परीक्षा को छोड़ने की मजबूरी उत्पन्न होगी। राजा देवांगन ने कहा कि सीजीपीएससी व्यापम एवं सीजीएसएसबी जैसी राज्य की भर्ती एजेंसियों के बीच आपसी तालमेल की कमी के कारण आज प्रदेश के युवाओं को अपने ही अवसरों में से चुनाव करना पड़ रहा है। यह सरकार की भर्ती व्यवस्था और समन्वय की विफलता है। सरकार को यह समझना होगा कि एक.एक परीक्षा की तैयारी के पीछे किसी युवा की वर्षों की मेहनतए उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य का सवाल जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार देने की बात करती है। लेकिन जब रोजगार के लिए परीक्षाएं आयोजित होती हैं तो उनकी तारीखों में ही समन्वय नहीं हो पाता। परीक्षा तिथियों के टकराव के कारण किसी युवा को परीक्षा देने से वंचित होना पड़े, इससे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति और क्या हो सकती है। सरकार की जिम्मेदारी है कि सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर मिले।

राजा देवांगन ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं की तिथियों की तत्काल समीक्षा कर आवश्यक संशोधन किया जाए और परीक्षाओं के बीच पर्याप्त अंतर रखा जाए। साथ ही भविष्य में किसी भी भर्ती परीक्षा की तिथि निर्धारित करने से पहले सभी संबंधित भर्ती एजेंसियों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रदेश का कोई भी युवा केवल परीक्षा की तारीखों के टकराव के कारण अपने अवसर से वंचित न हो। उन्होंने कहा कि हमारी मांग किसी एक परीक्षा या किसी एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि प्रदेश के प्रत्येक युवा के समान अधिकार और भविष्य के लिए है।

# प्रभु की प्रीत ही हमें भव से मुक्ति दिला सकती है : साध्वी रत्ननिधि

**धमतरी।** श्री पार्श्वनाथ जिनालय, इतवारी बाजार में चातुर्मास हेतु विराजित प्रवर्तनी कैवल्यधाम तीर्थ प्रेरिका निपूर्णा महाराज की शिष्या, प्रवचन प्रवीणा स्नेहयशा महाराज की अंतेवासिनी रत्ननिधि महाराज आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में चातुर्मासिक धार्मिक प्रवचनों की श्रृंखला श्रद्धा एवं भक्ति के साथ निरंतर जारी है। प्रवचन में बताया गया कि जब तक आत्मा की अनुभूति न हो जाये तब तक व्यक्ति चारों गतियों में भटकता ही रहता है। विरागिता का विध हमारे भीतर ही है। हमें स्वयं को जागृत होना है कि मैं एक शुद्ध स्वरूपी आत्मा हूं। इसलिये बार बार कहते हैं कि आत्मा को जानना हो, आत्मा का पूर्ण आनंद लेना हो तो ये जिनवाणी श्रवण ही एक सुंदर माध्यम है। ये जिनवाणी श्रवण के माध्यम से ही हम अपने आप को पहचानते हैं। प्रभु की प्रीत ही हमें भव से मुक्ति दिला सकती है। संसार दावानल की तरह है। अगर वो संसार दावानल की तरह लगे तो व्यक्ति संसार से बाहर निकलने का प्रयास करेगा और संसार में वो आपको मोह माया रूपी, जब मीठा मीठा स्वाद मिलता है तो आपको लगता है कि एक बूंद और वो रस का अनुभव कर लूं। उसी समय ज्ञानी भगवत, साधु साध्वी भगवत, गुरू भगवंतों का योग मिलता है और ऐसे आपके दृश्य को देखकर के उनके भीतर भी वो दया के भाव जागृत होते हैं, वह करूणा मन में आती है कि कैसा ये जीवन है, कैसे इसको संसार में रस आ रहा है, वह क्यों निकलने का प्रयास नहीं करता है और वह अपना विमान पीछे लेकर के आता है। गुरू भगवंत आपको बार-बार कहते हैं कि संसार से बाहर निकलो। ये संयम रूपी विमान आपके नीचे रखा है। मात्र उसमें क्या करना है आपको? पैर रखना है। वह कदम आपको रखना है, तो आप जो भारी घटनाओं, दुर्घटनाओं में फंसने वाले हैं उससे आप बच सकते हो। हर आत्मा के अंदर अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन, अनंत चरित्र शक्ति है। यह अद्भुत खजाना उस व्यक्ति के अंदर है पर वह व्यक्ति पहचान नहीं पा रहे। वह खजाना खोल नहीं पा रहे। क्योंकि उसके बाहर के पदार्थों में उसको सुख की अनुभूति मिल जाती है और वह क्षणिक सुख के लिये उसी में ही मस्त हो जाता है पर अनादि काल के जो तिजोरी में माल भरा हुआ है, अगर वह खोल करके देख लें तो अनादि काल की जो यात्रा कर रहा है, जो दुखों को सहन कर रहा है वह दुखों को भी दूर कर सकता है पर वह उसके अंदर जिनवाणी के माध्यम से। जिनवाणी की चाबी से आपकी तिजोरी को खोल कर देखों वह तिजोरी जब खोलकर देखोगे, तब आपको पछतावा होगा कि मैं क्या कर रहा हूं। अब तक मेरे बाहरी पदार्थों के पीछे भाग था, खुद के अंदर इतनी ज्ञान शक्ति है, इतने संपत्तियां हैं, इतनी रिद्धि है, मुझे किसी के दरबार में जाने की आवश्यकता ही नहीं थी।

# राजेश गोसाई बने नगरी मंडल अध्यक्ष, संगठन ने जताया विश्वास

**धमतरी।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए धमतरी जिले के नगरी मंडल अध्यक्ष पद पर राजेश गोसाई की नियुक्ति की है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। जारी नियुक्ति आदेश में प्रदेश महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी डॉ नवीन मार्कण्डेय ने राजेश गोसाई को नगरी मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का वातावरण है। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस ने राजेश गोसाई को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में नगरी मंडल संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी की रीति-नीति, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य और प्रभावी ढंग से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन में कार्यकर्ताओं की निष्ठा, सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण को सदैव सम्मान मिलता है। राजेश गोसाई के लंबे संगठनात्मक अनुभव और कार्यशैली का लाभ निश्चित रूप से नगरी मंडल को मिलेगा तथा आगामी संगठनात्मक एवं राजनीतिक गतिविधियों में मंडल नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगा। जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस ने सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा पार्टी के सेवा, सुशासन और विकास के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी उमेश साहू ने दी।

## भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने रुद्रेश्वर महादेव मंदिर में किया जलाभिषेक

**धमतरी।** सावन के पवित्र महीने में धमतरी वासियों की सुख-समृद्धि के लिए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक रंजना साहू ने रुद्रेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। उन्होंने पूरे क्षेत्रवासियों के सुख, अच्छी बरसात और फसल अच्छी होने की कामना करते हुए महादेव से धमतरी के उत्तरोत्तर विकास का आशीर्वाद मांगा। पूजा के दौरान उन्होंने क्षेत्र की शांति और समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थना भी की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। जलाभिषेक के बाद रंजना साहू ने सभी को प्रसाद वितरित किया। भक्तों ने कहा कि रंजना दीदी द्वारा की गई प्रार्थना से क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और धमतरी दिन-प्रतिदिन प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा।

# सीजी इंस्पायर एकेडमी में हुआ भव्य लाइव प्रसारण

**धमतरी।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विशेष कार्यक्रम छात्रों की गूंज प्रयागराज का सीधा प्रसारण जिला कांग्रेस कमेटी धमतरी के तत्वावधान में अंबेडकर चौक स्थित सीजी इंस्पायर एकेडमी में गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। यह आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में आयोजित किया गया। अपरिहार्य कारणों से कार्यक्रम में अध्यक्ष की प्रत्यक्ष उपस्थिति नहीं हो सकी। लेकिन उनके नेतृत्व में स्थानीय स्तर पर युवाओं और छात्रों को इस महत्वपूर्ण संवाद से जोड़ने का यह प्रयास बेहद सफल रहा। इस पूरे कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन की जिम्मेदारी कार्यक्रम प्रभारी राजा देवांगन ने संभाली। उनकी उपस्थिति और देखरेख में राहुल गांधी के प्रयागराज कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान धमतरी के स्थानीय छात्र-छात्राएं, युवा और कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम प्रभारी राजा देवांगन ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा से देश के युवाओं और छात्रों के हक की आवाज बुलंद करते आए हैं। प्रयागराज की धरती से उन्होंने छात्रों की जिन समस्याओं, भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधलियों और रोजगार के संकट पर बात की है। वह आज हर युवा के दिल की आवाज है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर के संदेश को लेकर उन्होंने कहा कि धमतरी कांग्रेस हमेशा छात्रों के उज्ज्वल भविष्य और उनके अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। लाइव प्रसारण के दौरान सीजी इंस्पायर एकेडमी में उपस्थित छात्र-छात्राओं में भारी उत्साह देखा गया। राहुल गांधी के संबोधन को युवाओं ने बेहद ध्यान से सुना और देश की वर्तमान शिक्षा व रोजगार नीति पर उनके विचारों की सराहना की। स्थानीय युवाओं का कहना था कि ऐसे कार्यक्रमों से उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर जिला कांग्रेस कमेटी संगठन महामंत्री अरविंद दोषी, नगर निगम के उपनेता प्रतिपक्ष विशु देवांगन, उदित नारायण साहू, देवेंद्र देवांगन, आशुतोष खरे, रामनाथ यादव, खिलेन्द्र साहू, रमेश देवांगन, सूरज पासवान, नोमेश सिन्हा, तरुण राय, टिकेंद्र देवांगन, यश चंद्राकर, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई के कार्यकर्ता और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### सड़क किनारे निर्माण मलबा फेंकना कारोबारी को पड़ा भारी कटा 25 हजार का ई-चालान

**रायपुर।** राजधानी में सार्वजनिक स्थान पर निर्माण मलबा फेंकने के मामले में नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की है। वीआईपी रोड स्थित बेबीलान टावर के पास मुख्य सड़क किनारे बड़ी मात्रा में निर्माण मलबा डाले जाने की शिकायत सही पाए जाने पर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित व्यावसायिक परिसर के संचालक जसवीर सिंह खनूजा पर 25 हजार रुपये का ई-चालान जारी किया है। निगम ने भविष्य में दोबारा ऐसी लापरवाही नहीं करने की चेतावनी भी दी है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, मुख्य सड़क किनारे एक व्यावसायिक परिसर की ओर से निर्माण मलबा फेंके जाने की शिकायत मिली थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम आयुक्त सौंबित मिश्रा ने तत्काल जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। आयुक्त के निर्देश पर जोन-9 के जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर औचक निरीक्षण किया। टीम में स्वास्थ्य अधिकारी बैरोन बंजारे, उमेश नामदेव और स्वच्छता निरीक्षक भोला तिवारी शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे बड़ी मात्रा में निर्माण मलबा पड़ा मिला। अधिकारियों के मुताबिक, मलबे के कारण राहगीरों की आवाजाही प्रभावित हो रही थी और आसपास की स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हो रही थी। जांच के बाद नगर निगम ने स्वच्छता नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर व्यावसायिक परिसर के संचालक जसवीर सिंह खनूजा के खिलाफ25 हजार रुपये का ई-चालान जारी किया। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर निर्माण मलबा या कचरा फेंकने की दोबारा शिकायत मिलने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निगम ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए नागरिकों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से सार्वजनिक स्थानों पर मलबा नहीं डालने की अपील की है।

### गेंदे की खेती से कुमारी चंद्राकर को अतिरिक्त आमदनी

**रायपुर।** महासमुंद जिले जिले के बागबाहरा विकासखण्ड के ग्राम भदरसी की कृषक श्रीमती कुमारी चंद्राकर पति दाऊलाल चंद्राकर ने पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाकर अपनी कृषि आय में वृद्धि की है। श्रीमती चंद्राकर बताती हैं कि धान की खेती में अधिक लागत और अपेक्षाकृत कम उत्पादन के कारण उनका रुझान धीरे-धीरे उद्यानिकी फसलों की ओर बढ़ा। इसके बाद उन्होंने सब्जियों और फूलों की खेती को अपनी नियमित कृषि गतिविधियों का हिस्सा बनाया। वर्तमान में वे धनिया, प्याज, बैंगन, मूली, भाजी सहित विभिन्न उद्यानिकी फसलों की खेती कर रही हैं। वर्ष 2025-26 में श्रीमती कुमारी चंद्राकर ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत पुष्प क्षेत्र विस्तार घटक के तहत गेंदा फूल की खेती की। उनके पास कुल 0.64 हेक्टेयर सिंचित कृषि भूमि है, जिसमें उन्होंने गेंदा की फसल लगाई। शासन की योजना से उन्हें 0.64 हेक्टेयर क्षेत्र में गेंदा फसल के लिए 12,800 रुपये का अनुदान डीबीटी के माध्यम से प्राप्त हुआ। शासकीय योजना से मिले इस सहयोग ने उन्हें उद्यानिकी फसलों को विस्तार देने के लिए प्रोत्साहित किया। खेती में वे ड्रिप सिंचाई और कृषि यंत्रों जैसी नवीन तकनीकों का भी उपयोग कर रही हैं। श्रीमती कुमारी चंद्राकर बताती हैं कि गेंदे की खेती उनके लिए आर्थिक रूप से काफी लाभदायक साबित हुई। उन्होंने प्रति एकड़ लगभग 20 क्विंटल गेंदा उत्पादन प्राप्त किया, जिसे लगभग 31 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से विक्रय किया। उत्पादन में अन्य खर्चों को वहन करने के बाद उन्हें प्रति एकड़ लगभग 2 लाख 7 हजार रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई।

### सैनिकों के सम्मान में बीएसपी विद्यार्थियों ने तैयार कीं 2500 राखियां, रक्षा सूत्र अभियान को समर्पित

**रायपुर।** देश की सीमाओं पर तैनात वीर सैनिकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रव्यापी 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र-2026' अभियान के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के विद्यालयों के विद्यार्थियों ने लगभग 2500 राखियां तैयार कर सैनिकों को समर्पित कीं। विद्यार्थियों ने श्रद्धा और स्नेह के साथ तैयार किए गए रक्षा सूत्रों के साथ सैनिकों के तिलक के लिए चुटकी भर पवित्र मिट्टी तथा उनके नाम सम्मान और शुभकामनाओं से युक्त संदेश-पत्र भी तैयार किए। इन रक्षा सूत्रों एवं अन्य सामग्री को देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 5 अगस्त 2026 को अपराह्न 3 बजे स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ, भिलाई के तत्वावधान में घड़ी चौक, सुपेला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संग्रहण समूह को ससम्मान सौंपा गया। स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ, भिलाई पिछले चार वर्षों से इस अभियान के माध्यम से रक्षा सूत्र देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों तक पहुंचा रहा है। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना है। विद्यार्थियों की इस पहल के माध्यम से देश की रक्षा में समर्पित जवानों के प्रति समाज की कृतज्ञता और भावनात्मक जुड़ाव का संदेश भी पहुंचाया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ, भिलाई की जिला मुख्य आयुक्त एवं भिलाई इस्पात संयंत्र की महाप्रबंधक (शिक्षा-टीएसडी) शिखा दुबे के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ के पदाधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षक, स्काउट्स, गाइड्स तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

### फर्जी क्यूआर पेमेंट दिखाकर पेट्रोल पंप से ठगी करने वाला युवक गिरफ्तार

**रायपुर।** पुलिस ने पेट्रोल पंप पर फर्जी ऑनलाइन पेमेंट का स्क्रीनशॉट दिखाकर हजारों रुपये की ठगी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी कार की नंबर प्लेट छिपाकर दो बार पेट्रोल भरवाता था और फर्जी क्यूआर भुगतान दिखाकर बिना पैसे दिए फरार हो जाता था। पुलिस ने आरोपी की बलेनो कार जब्त कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई में जूटमिल पुलिस ने तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की। पुलिस के अनुसार, 31 जुलाई 2026 को दर्रामुड़ा स्थित भारत पेट्रोलियम पेट्रोल पंप के संचालक अमित कुमार गुप्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि पिछले दो माह के दौरान एक युवक मारुति सुजुकी बलेनो कार से दो बार पेट्रोल भरवाकर फर्जी ऑनलाइन भुगतान का स्क्रीनशॉट दिखाकर फरार हो गया। पहली घटना 7 जून की रात हुई, जब आरोपी ने 2,500 का पेट्रोल भरवाया, जबकि दूसरी बार 25 जुलाई को 3,600 का पेट्रोल भरवाकर बिना भुगतान किए भाग निकला।

---

**सेन समाज सनातन परंपराओं और सामाजिक समरसता का मजबूत आधार-मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय**

# 70 लाख माताओं-बहनों को हर माह मिल रहा महतारी वंदन का लाभ

- संत शिरोमणि सेन जी महाराज के नाम पर नया रायपुर में होगा चौक का नामकरण
- सेन समाज का गौरवशाली इतिहास, जननायक कर्पूरी ठाकुर जैसे महापुरुषों ने बढ़ाया समाज का मान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि सेन समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। इस समाज ने सदियों से भारतीय समाज की सामाजिक व्यवस्था, संस्कारों और समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत रत्न जननायक श्री कर्पूरी ठाकुर जैसे महान नेता का इस समाज से होना पूरे सेन समाज के लिए गौरव की बात है। सेन समाज केवल अपनी पारंपरिक सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जन्म से लेकर विवाह और मृत्यु तक समाज के प्रत्येक संस्कार में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यह समाज सनातन परंपराओं और संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के चिकित्सा महाविद्यालय परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित सेन शक्ति सम्मेलन एवं केश शिल्पी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सेन समाज को सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेन समाज के कल्याण के लिए केश शिल्पी कल्याण बोर्ड का गठन पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में हुआ था। उन्होंने कहा कि सेन

समाज और अन्य पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उस समय अनेक महत्वपूर्ण पहल की गईं। सैलून संचालन के लिए सेन समाज के लोगों को किट, कुम्हारों को बैटरी चलित चाक और बढ़ई समाज के लोगों को कारपेंट्री किट देने की शुरुआत भी इसी दिशा में की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेन समाज की आज की आवश्यकताओं और मांगों पर राज्य सरकार गंभीरता से विचार करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि संत शिरोमणि सेन जी महाराज के नाम पर नया रायपुर में चौक का नामकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नामकरण के लिए कमेटी बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने सेन समाज के विकास और कल्याण के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुनर और प्रतिभा का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर वंचित वर्गों के अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष के प्रतीक रहे हैं। आज उनके सुपुत्र श्री रामनाथ ठाकुर केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी सेन समाज से विधायक श्री रिकेश सेन और छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन समाज की सेवा और प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब केश शिल्प कल्याण बोर्ड को युवा नेतृत्व मिला है, निश्चित रूप श्री गौरी शंकर श्रीवास के नेतृत्व में सेन समाज को आगे बढ़ाने का काम तेजी से होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर वर्ग को आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से पारंपरिक हुनर और छोटे-छोटे व्यवसायों से जुड़े लोगों को आर्थिक सहायता, ऋण और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

---

# भाजपा का तिरंगा अभियान केवल दिखावे के लिये- प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला.....

- आम आदमी तो अपने घरों में तिरंगा फहराता है, संघ की शाखाओं में क्यों तिरंगे से परहेज?

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिरंगा यात्रा अभियान को राजनीति के पाखंड करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि तिरंगा हर भारतीय के लिए आन बान शान है, लेकिन भाजपाइयों के लिए यह केवल राजनैतिक विषयवस्तु है। भाजपा का राष्ट्रवाद और तिरंगा प्रेम केवल दिखावा है, असलियत में तिरंगा के प्रति भाजपाइयों के मन में हिकारत है भाजपा तो मुखौटा है उनके पित्र संगठन के लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का बार-बार अपमान किया तीन रंग को अपशगुन बताएं, अब केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए घर घर यात्रा निकाल रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा भाजपाई आत्म अवलोकन करें कि उनके पूर्वजों ने क्यों तिरंगे को अपमानित किया था। आज भी संघ के शाखाओं में तिरंगा क्यों नहीं फहराया जाता? देशवासी तो गर्व से अपने घरों में तिरंगा फहराते है, संघ की शाखाओं में तिरंगा क्यों नहीं फहराया जाता है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील

आनंद शुक्ला ने कहा कि देश की आन-बान-शान का प्रतीक रहे तिरंगा को भाजपा ने पितृ पुरुष गोलवलकर ने देश के लिये अपशगुन बताया था। तिरंगे के प्रति सम्मान का आडंबर कर रही भाजपा के आदर्श गोलवलकर ने अपनी पुस्तक बंच ऑफ थॉट्स में तिरंगा को राष्ट्रीय ध्वज मानने से ही मना कर दिया था। इस पुस्तक में उन्होंने लोकतंत्र और समाजवाद को गलत बताते हुए संविधान को एक जहरीला बीज बताया था। 14 अगस्त 1947 को आरएसएस के मुखपत्र द आर्गेनाइजर में लिखा था तीन शब्द ही अशुभ है, तीन रंगो वाला झण्डा निश्चित तौर पर बुरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा करेगा और देश के लिये हानिकारक साबित होगा। 30 जनवरी 1948 को जब महात्मा गाँधी की हत्या कर दी गयी तो अखबारों के माध्यम से खबरें आई थीं कि आरएसएस के लोग तिरंगे झंडे को पैरों से रौंदकर खुशी मना रहे थे। आज़ादी के संग्राम में शामिल लोगों को आरएसएस की इस हरकत से बहुत तकलीफ हुई थी।

---

**मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति जताया आभार**

# मिनीमाता महतारी जतन योजना से श्रमिक माताओं को मिल रहा है आर्थिक संबल.....

- 20 हजार रुपए की सहायता से लीलावती के बच्चों के पालन-पोषण की राह हुई आसान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार श्रमिक परिवारों के कल्याण और माताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना श्रमिक परिवारों की महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता का महत्वपूर्ण

माध्यम बनकर सामने आई है। योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि से माताओं को बच्चों के खान-पान, देखभाल एवं पालन-पोषण से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहारा मिल रहा है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत भिट्रिकला के ढोढ़ीपारा निवासी श्रीमती लीलावती भी इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। श्रमिक के रूप में कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करने वाली लीलावती के दो बच्चे हैं। सीमित आय के बीच बच्चों की जरूरतों को पूरा करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत प्राप्त 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता उनके परिवार के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनी है। लीलावती ने बताया कि योजना से मिली राशि का उपयोग वह अपने बच्चों के खान-पान, देखभाल और बेहतर पालन-पोषण में करेंगी। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता मिलने से बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने में उन्हें काफी राहत मिली है।

---

### नक्सली हिंसा के दर्द से आत्मनिर्भरता तक का सफर

**रायपुर।** ग्राम तालनार, विकासखंड भैरमगढ़ की निवासी जोगी कश्यप ने विपरीत परिस्थितियों में भी साहस और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए अपने परिवार के लिए नई उम्मीद की राह बनाई है। नक्सली हिंसा में पति स्वर्गीय लक्ष्मण कश्यप को खोने के बाद उन्होंने हार मानने के बजाय खेती को ही अपनी आजीविका का आधार बनाया। 51 वर्षीय जोगी कश्यप अपनी 2.023 हेक्टेयर कृषि भूमि पर खरीफमौसम में धान तथा रबी सीजन में सब्जियों की खेती कर रही हैं। वर्षों के खेती के अनुभव और अथक मेहनत से वे लगातार उत्पादन बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। कृषि विभाग की योजनाओं से उन्हें महत्वपूर्ण सहयोग मिला। विभाग द्वारा नलकूप खनन कराए जाने से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हुई।

---

# अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत किसानों को स्टोरेज बिन वितरित

रायपुर। संवाददाता

आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत ग्राम बेल्टुकरी के अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों एवं किसान महिलाओं को 100 स्टोरेज बिन वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य कृषि उपज के सुरक्षित एवं वैज्ञानिक भंडारण को बढ़ावा देना तथा भंडारण के दौरान होने वाले फसल उपरांत नुकसान को कम करना है। राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ उपज का उचित भंडारण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भंडारण पद्धतियों को अपनाने से कृषि उपज को नमी, कीट प्रकोप तथा भंडारण के दौरान होने वाले अन्य नुकसान से सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे उपज की गुणवत्ता एवं मात्रा को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद मिलती है। डॉ. राय ने कहा कि कृषि उपज का वैज्ञानिक एवं उचित भंडारण न केवल फसल उपरांत होने वाले नुकसान को कम करता है, बल्कि किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त करने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा किसानों की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप वैज्ञानिक तकनीकों एवं उपयोगी कृषि ज्ञान को गांव स्तर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक एवं एससीएसपी समन्वयक, ने किसानों से संवाद करते हुए धान की फसल में रोपाई के बाद अपनाई जाने वाली प्रमुख सस्य क्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने समय पर खरपतवार प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्वों का प्रयोग, उचित जल प्रबंधन तथा फसल की नियमित निगरानी पर विशेष जोर दिया। डॉ. शर्मा ने किसानों को धान की फसल में आगामी समय में संभावित प्रमुख कीटों की पहचान एवं उनके प्रभावी प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने किसानों से फसल की नियमित निगरानी करने तथा कीटों के प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में ही वैज्ञानिक सलाह के आधार पर उचित प्रबंधन उपाय अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा एससीएसपी के माध्यम से किसानों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए वैज्ञानिक जानकारी, कृषि उपकरण एवं यंत्र, प्रशिक्षण तथा आधुनिक कृषि तकनीकों से संबंधित उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों की तकनीकी क्षमता को बढ़ाना, कृषि कार्यों को अधिक प्रभावी बनाना तथा कृषि आय में वृद्धि के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करना है।

---

**तीन बहनों ने एक साथ पास की नीट परीक्षा, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घर पहुंचकर दी बधाई**

# तीन बहनों का एक साथ मेडिकल में चयन पूरे प्रदेश के लिए है प्रेरणादायी

- तीनों बहनों की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है, जो अपने गाँव या घर पर रहकर सीमित संसाधनों के बीच बड़े लक्ष्य की तैयारी कर रहे हैं

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले के नेउर गाँव की तीन प्रतिभाशाली बहनों किरण, ज्योति और सुमन महोबिया ने इस वर्ष नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज नेउर गाँव पहुंच, तीनों छात्राओं से उनके घर पर मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने छात्राओं की माता श्रीमती भगवती महोबिया और पिता श्री राम महोबिया एवं परिजनों से भी मुलाकात की तथा तीनों बेटियों की इस उपलब्धि के लिए पूरे परिवार को बधाई दी और कहा कि एक ही परिवार की तीन बहनों का एक साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफल होना न केवल पूरे परिवार के लिए खुशी का अवसर है, बल्कि क्षेत्र और जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि एक ही घर में रहकर तीन बहनों का एक साथ नीट जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी करना और सफलता हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस सफलता से जिले के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी कि नियमित मेहनत, सही दिशा और दृढ़ संकल्प के साथ बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि तीनों बहनों की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है, जो अपने गाँव या घर पर रहकर सीमित संसाधनों के बीच बड़े लक्ष्य की तैयारी कर रहे हैं। मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने तीनों छात्राओं से उनकी स्कूली पढ़ाई, नीट परीक्षा की तैयारी और आगे की

काउंसलिंग प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं से कहा कि अब मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेकर पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करें तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें और माता-पिता व परिवार के सपनों को अपने कार्यों और उपलब्धियों से पूरा करें। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

### डॉक्टर बनकर क्षेत्र और समाज की सेवा का रखें भाव

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छात्राओं को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर के रूप में शिक्षा पूरी करने के बाद अच्छे संस्थानों और अस्पतालों में कार्य कर अनुभव प्राप्त करें। साथ ही उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के साथ अपने क्षेत्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी बनाए रखें। अपनी शिक्षा और अनुभव का उपयोग जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए करने का प्रयास करें, ताकि आपकी सफलता का लाभ समाज और स्थानीय लोगों तक भी पहुंच सके।

### घर पर की ऑनलाइन तैयारी, एक साथ पाई सफलता

तीनों बहनों ने घर पर रहकर ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से नीट परीक्षा की तैयारी की। पढ़ाई के दौरान तीनों एक-दूसरे का सहयोग करती रहीं और अपने लक्ष्य को लेकर लगातार प्रयासरत रहीं। उनकी यह उपलब्धि विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि दो बहनों ज्योति और सुमन ने अपने पहले ही प्रयास में नीट परीक्षा उत्तीर्ण की है, दोनों ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, बोड़ला से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की है। जबकि बड़ी बहन किरण ने अपने दूसरे प्रयास में सफलता हासिल की है। उन्होंने सरस्वती शिशु मंदिर, पांडातराई से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की है।

# संपादकीय

## योजनाएं कई, फिर भी स्कूल छोड़ रहीं बेटियां, 9वीं-10वीं में सबसे ज्यादा ड्रॉपआउट

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल लद्दाख में माध्यमिक स्तर पर लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर सबसे अधिक 15.6 फीसदी दर्ज की गई। शिक्षा किसी भी देश के आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार स्तंभ होती है। यह भी जरूरी है कि शिक्षा में अमीर-गरीब, जाति, धर्म, क्षेत्र या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए ताकि सबको सामान अवसर मिल सके। यह सच है कि भारत के शिक्षित समाज में पिछले कुछ दशकों से महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है लेकिन चुनौतियां अभी बरकरार हैं।हाल ही में संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक, साल 2025-26 में देश भर में नौवीं और दसवीं कक्षा के स्तर पर लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर 8 फीसदी रही जो अन्य कक्षाओं के मुकाबले सबसे अधिक है। यह हाल तब है जब सरकार की ओर से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और समग्र शिक्षा अभियान जैसे कार्यक्रम एवं योजनाएं शुरू की गई हैं। सवाल है कि जब सबको शिक्षा के समान और सुलभ अवसर मुहैया कराने की नीतियां लागू की जाती हैं तो लक्ष्य को पूरा करने की प्रतिबद्धता बीच रास्ते में ही दम क्यों तोड़ देती है?इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जब एक महिला शिक्षित होती है तो इसका प्रकाश पूरे परिवार को आलोकित करता है। योग्यता की बात की जाए तो देश में हर साल स्कूली बोर्ड परीक्षाओं में लड़कियां अव्वल रहती हैं। इसके बावजूद अगर उन्हें किसी कारणवश माध्यमिक स्तर पर ही स्कूल छोड़ने को विवश होना पड़े तो इसे व्यवस्था की नाकामी नहीं तो और क्या कहा जाएगा।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल लद्दाख में माध्यमिक स्तर पर लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर सबसे अधिक 15.6 फीसदी दर्ज की गई। इसके बाद असम और कर्नाटक का स्थान है जहां यह दर 13.9 फीसदी रही। इसके पीछे कई कारण बताए गए हैं जिनमें लड़कियों का घरेलू कार्यों और आर्थिक मामलों में परिवार का सहयोग करने के लिए स्कूल छोड़ देना या फिर माता-पिता का उनकी आगे की शिक्षा को जरूरी न समझना भी शामिल है। अहम सवाल यही है कि क्या सरकार की ओर से इन कारणों को समझने और उनका समाधान करने का ईमानदारी से प्रयास किया जाएगा ताकि कोई भी लड़की आर्थिक या पारिवारिक समस्याओं की वजह से शिक्षा से वंचित न रहे? जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए लक्षित आतंकी हमले में दो प्रवासी मजदूरों की मौत ने एक बार फिर यही सवाल उठाया है कि आतंकवाद पर काबू पाने के लिए की जा रही तमाम कवायदों का क्या हासिल है और आज भी अक्सर यह बेलगाम क्यों दिखता है।

# पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

**लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है।**

(ललित गर्ग )

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है।

लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने

की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है। लेखक,

# भाषा केवल शब्दों का संसार नहीं, किसी समाज की संस्कृति, स्मृतियों और पहचान का आधार है

(मोनिका भाम्भू कलाना)

मनुष्य ने किसी समय ध्वनि संकेतों से स्वयं को अभिव्यक्त करना सीखा होगा, जिससे भाषा बनी होगी। भाषा और मनुष्य के बीच संबंधों के कई सिरे हैं। यह सीधा और इकहरा संबंध नहीं है।

भाषा केवल सामाजिक जुड़ाव और विचारों की अभिव्यक्ति तक सीमित नहीं होकर मनुष्य की सांस्कृतिक पहचान का अनिवार्य अंग होती है। किसी जन समुदाय की संस्कृति का सर्वाधिक जीवंत और मूर्त रूप उसकी भाषा में ही मिलता है। किसी संस्कृति का अतीत मिथकों के साथ-साथ उसकी भाषा की अवधारणाओं में भी ध्वनित होता है।

भाषा के माध्यम से हम केवल अपने विचारों को व्यक्त नहीं करते, बल्कि हम उसमें स्वयं को व्यक्त करते हैं। सच यह है कि भाषा के बिना मनुष्य कुछ भी नहीं है। पशु और देवता के बीच मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है, जो अपना अन्वेषण स्वयं करता है। भाषा उसके इस आत्म-अन्वेषण का औजार है। यह मनुष्य के शरीर का अदृश्य अंग है, दृष्टि है। सच यह है कि भाषा चाहे किसी भी रूप में अभिव्यक्त हो, उसके बिना मनुष्य में कोई आत्मदृष्टि नहीं बन सकती।भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम भर नहीं होती, वह संस्कृति की वाहक होती है। किसी संस्कृति के बिखर जाने पर भी उसका सत्य उसकी भाषा में जीवित रहता है।

मनुष्य के विकास के दौरान प्रत्येक भाषा की विशिष्ट संरचना बनती है, लेकिन एक बार अस्तित्व ग्रहण करके वह मनुष्य की अंतःप्रक्रियाओं को प्रभावित करने लगती है। भाषा केवल किसी समाज के सांसारिक प्रयोजनों को साधने का माध्यम भर नहीं होती, बल्कि समाज के अंदरूनी स्वभाव, उसके संवेदन तंत्र और चरित्र को भी निर्धारित करती है।

प्रत्येक भाषा की अपनी दृष्टि होती है, जिसके सहारे वह दुनिया को देखती-परखती है। भाषा हमारी संस्कृति का, हमारी अस्मिता का महत्त्वपूर्ण अंग है। संस्कृति के जो बिंब, मिथक, रूपक और विशिष्ट प्रतीक होते हैं, वे सब उसकी भाषा से ही उसके साहित्य में स्थान पाते हैं।

भाषाओं के अपने मिथकीय स्रोत उनकी दुनिया और उनकी संरचना को प्रभावित करते हैं। इसलिए एक ही दुनिया में होते हुए भी हर भाषा की अपनी अलग दुनिया होती है और अपना भूगोल होता है।

प्रत्येक भाषा संस्कृति-सापेक्ष होती है। संस्कृति का दर्शन उसकी भाषा से छनकर आता है। इस तरह भाषा, संस्कृति के दर्शन को उजागर करने वाली खिड़की है। यह एक माध्यम मात्र न होकर स्वायत्त शक्ति का एक साधन है।

किसी समाज और संस्कृति की धार्मिक संवेदनाएं, विश्वास, आस्था और मिथकीय चेतना उसकी भाषा में अपने स्मृति-चिह्न छोड़ती हैं। किसी संस्कृति की पहचान उसके यथार्थ तक सीमित न होकर उसके स्वप्नों तक विस्तृत होती है। इसलिए संस्कृति की बुनावट में भाषा का महत्त्वपूर्ण योग रहता है। संस्कृति के स्वप्न उसकी स्मृतियों द्वारा निर्धारित होते हैं।

हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है कि भाषा के प्रश्न को महज साहित्य-सृजन का प्रश्न मानकर नहीं टाला जा सकता। वह हमारी सांस्कृतिक मनीषा की बुनावट से जुड़ा है। हमारे संस्कार और हमारी स्मृतियां उसी से आकार ग्रहण करती हैं।

आज जब शब्द पर अनेक साधनों से आक्रमण किया जा रहा है, राजनीति, सिनेमा, विज्ञापन और प्रचार द्वारा उसके आत्यंतिक चरित्र को भ्रष्ट किया जा रहा हो, अनेक साधनों और माध्यमों से उसे कुंद किया जा रहा हो, वहां अपनी भाषा के प्रति प्रतिबद्धता केवल साहित्यिक मूल्य नहीं, बल्कि एक सामाजिक मूल्य भी होनी चाहिए।

अन्य सामाजिक प्रतिबद्धताएं और मूल्य किसी काम के नहीं रहेंगे, अगर हम अपनी भाषा के प्रति संवेदनशील रुख नहीं अपनाएंगे। साहित्यकार अनेक माध्यमों से दूषित हुए शब्द को फिर से सार्थकता प्रदान करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कोई भाषा केवल साहित्य और साहित्यकारों के लिए ही नहीं, बल्कि संस्कृति, समाज और स्वयं मनुष्य की अस्मिता के लिए भी बहुत जरूरी होती है।

किसी समाज की संस्कृति जीवित ही नहीं रह सकती, अगर उसकी भाषा मृत हो जाती है। अगर हमारे अतीत का सब कुछ मर-मिट जाए, लेकिन भाषा बची रहे, तब भी एक समाज के सदस्य आपस में संवाद कर सकते हैं। वे अवचेतन रूप में अपने अतीत से जुड़े रहते हैं और अतीत अदृश्य रूप में उनके वर्तमान में प्रवाहित होता रहता है।

किसी देश की संस्कृति ऐतिहासिक झंझावातों द्वारा क्षत-विक्षत भले ही हो जाए, उसका सत्य उसी भाषा में बचा रहता है। इस तरह भाषा भीतर के सत्य और बाहर के यथार्थ के बीच सेतु का काम करती है। आज तकनीक और संचार साधनों के बढ़ने के साथ जिस अनुपात में भाषा को भ्रष्ट करने के साधन बढ़े हैं, शब्द और अर्थ में अंतराल होता जा रहा है।

# बिहार- प्रशांत किशोर की जीत के सियासी मायने चौंकाने वाले

**दूसरा बड़ा संदेश यह कि, जनसुराज पार्टी की नई जीत जहाँ भाजपा नीत एनडीए के लिए इस अकल्पनीय पराजय के बाद संगठन और रणनीति की समीक्षा का गहरा अवसर पैदा करता है। वाकई प्रशांत किशोर की जीत भाजपा के लिए स्पष्ट चेतावनी भी है, क्योंकि बांकीपुर जैसी भाजपा की पारंपरिक सीट का उसके हाथ से एक झटके में निकल जाने से यह साफ संकेत मिलता है कि चुनाव जीतने के लिए केवल संगठनात्मक मजबूती ही पर्याप्त नहीं है; बल्कि स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, सामाजिक समीकरण और मतदाता की अपेक्षाएं भी निर्णायक हो सकते हैं।**

(कमलेश पांडे )

बांकीपुर उपचुनाव का सबसे बड़ा संदेश यह है कि, बिहार की राजनीति अब केवल एनडीए बनाम महागठबंधन की दोध्रुवीय प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि जन सुराज ने स्वयं को एक संभावित तीसरे विकल्प के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। जन सुराज पार्टी के संस्थापक व मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार को लगभग 19 हजार वोटों से तगड़ी शिकस्त देकर न केवल चुनाव जीता, बल्कि राजनीतिक पंडितों को भी चौंका दिया। प्रशांत किशोर की यह जीत केवल एक सीट की जीत नहीं मानी जा रही, बल्कि बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में देखी जा रही है। ऐसा इसलिए कि प्रशांत किशोर ने भाजपा के तीन दशक से अधिक पुराने गढ़ में अकल्पनीय जीत दर्ज की है और अपनी जन सुराज पार्टी को पहली बड़ी चुनावी सफलता दिलाई है। हालांकि, एक उपचुनाव के परिणाम के आधार पर पूरे राज्य के चुनाव के जनादेश का संकेत मान लेना एक बड़ी सियासी गलतफहमी होगी। फिर भी, उनकी यह जीत कई कारणों से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि जन सुराज पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार को 18,953 वोटों के भारी अंतर से हराया है। लिहाजा, बांकीपुर उपचुनाव का सबसे बड़ा संदेश यह है कि, बिहार की राजनीति अब केवल एनडीए बनाम महागठबंधन की दोध्रुवीय प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि जन सुराज ने स्वयं को एक संभावित तीसरे विकल्प के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। दूसरा बड़ा संदेश यह कि, जनसुराज पार्टी की नई जीत जहाँ भाजपा नीत एनडीए के लिए इस अकल्पनीय पराजय के बाद संगठन और रणनीति की समीक्षा का गहरा अवसर पैदा करता है। वाकई प्रशांत किशोर की जीत भाजपा के लिए स्पष्ट चेतावनी भी है, क्योंकि बांकीपुर जैसी भाजपा की पारंपरिक सीट का उसके हाथ से एक झटके में निकल जाने से यह साफ संकेत मिलता है कि चुनाव जीतने के लिए केवल संगठनात्मक मजबूती ही पर्याप्त नहीं है; बल्कि स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, सामाजिक समीकरण और मतदाता की अपेक्षाएं भी निर्णायक हो सकते हैं। तीसरा बड़ा संदेश यह कि, इस अकल्पनीय जीत से जन सुराज पार्टी को राजनीतिक वैधता मिली है। अब जन सुराज को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि चुनाव जीतने में सक्षम राजनीतिक दल के रूप में देखा जाएगा। वाकई जिस चुनौती भरे सियासी परिदृश्य में प्रशांत किशोर ने अपनी जीत का परचम लहराया है और भाजपा के लंबे समय से सुरक्षित माने जाने वाले बांकीपुर के गढ़ में 30 साल बाद ही सही, पर सेंध लगा डाली है; वह नवोदित पार्टी के लिए एक अहम उपलब्धि है। इससे भाजपा का मनोबल टूटने के पुष्ट संकेत मिले हैं। चौथा बड़ा संदेश यह कि, जन सुराज पार्टी की पहली चुनावी जीत का सेहरा खुद पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के सिर पर ही बंधा है और वो अपना पहला चुनाव लड़कर ही विधायक बनकर विधान सभा पहुंच चुके हैं, जिससे बिहार की राजनीति में नई हलचल पैदा करने के उनके मिशन को काफी बल मिला है। यही वजह है कि प्रशांत किशोर की नई भूमिका की चर्चा अब शुरू हो चुकी है, क्योंकि चुनावी रणनीतिकार से विधायक बनने के बाद उन्हें विधानसभा के भीतर अपनी राजनीति और वैकल्पिक नीतियों को सीधे प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। पांचवां बड़ा संदेश यह कि, जहाँ तक 2026 में हुए बांकीपुर बिहार विधानसभा उप चुनाव के मनोवैज्ञानिक प्रभाव की बात है तो यह परिणाम जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाएगा और आगामी चुनावों में उम्मीदवारों व समर्थकों को आकर्षित कर सकता है। चूंकि वर्ष 2025 के विधानसभा चुनावों में शुरुआती धमाल मचाने के बाद प्रशांत किशोर की रणछोड़ रणनीतिकार और बुजदिल राजनेता वाली जो छवि बनी थी, अब उससे उन्हें मुक्ति मिली है और वह एक जुझारू राजनेता के रूप में उभरे हैं। छठा बड़ा संदेश यह कि, जन सुराज पार्टी और प्रशांत किशोर के इस सियासी उभार से एक नई युवा और शहरी राजनीति के संकेत मिले हैं, क्योंकि चुनाव प्रचार में रोजगार, शिक्षा और सुशासन जैसे मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया। इस प्रकार यदि यह रुझान अन्य क्षेत्रों में भी दिखता है, तो इससे बिहार की चुनावी राजनीति में मुद्दा-आधारित प्रतिस्पर्धा और मजबूत हो सकती है। सातवां बड़ा संदेश यह कि, विपक्षी राजनीति भी अब एक नई करवट लेगी। उसे एक नया सकारात्मक विकल्प मिलेगा। बांकीपुर उपचुनाव में जिस तरह से राजद नीत महागठबंधन का वोट बैंक जनसुराज की ओर यकायक शिफ्ट हुआ, यह उसके समक्ष भी अपने जनाधार को मजबूत बनाए रखने की एक तगड़ी चुनौती समुपस्थित करता है। इससे राजद और महागठबंधन के सामने भी अब एक नई चुनौती खड़ी होगी, क्योंकि यदि जन सुराज पार्टी आगे भी विपक्षी मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करती है, तो इससे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के लिए विपक्ष का निर्विवाद केंद्र बने रहना कठिन हो सकता है। ऐसा इसलिए भी कि बांकीपुर में राजद तीसरे स्थान पर रही। आठवां बड़ा संदेश यह कि, बिहार जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील प्रांत में भाजपा की यह पराजय उसके नेताओं की आपसी रस्साकशी का निराशाजनक परिणाम तो है ही, लेकिन उलजुलूल समीकरणों को साधने की उसकी राजनीतिक फितरत, और इसके चक्कर में बिगड़ैल बोलों पर बरती गई रणनीतिक खामोशी का यह साइड इफेक्ट्स भी समझा जा सकता है। यह घटनाक्रम पुनः भाजपा को खुली नसीहत देता है कि यदि बनावटी ओबीसी राजनीति के चक्कर में वह अपनी मूल राजनीतिक सवर्ण सियासी पूंजी भी न गंवा बैठे, जो कि कांग्रेस की ऐसी ही क्षुद्र सियासत से आजिज आकर भाजपा की ओर 1990 के दशक में शिफ्ट हुआ था, और अब विकल्प मिलते ही भाजपा की क्षुद्र सियासी चाल को भी नया राजनीतिक पाठ पढ़ाने पर आमादा दिखता है। नवां बड़ा संदेश यह कि, बिहार में सत्ता मिलते ही नवभाजपाइयों यानी राजद से भाजपा में आए नागमणि जैसे सामाजिक विषधर नेताओं ने राष्ट्रवाद और हिंदुत्व को धत्ता बताकर बैकवर्ड-फॉरवर्ड की जो लोहियावादी सियासत परवान चढ़ानी चाही, उसका साइड इफेक्ट्स भी । बांकीपुर उपचुनाव में दिखा है। क्योंकि भरत तिवारी एनकाउंटर को जातिवादी नजरिए से देखना और वैसी ही गोलबंदी को परोक्ष शह देकर बैकफुट पर लौटने से सवर्णों के बीच गलत संदेश गया है। इसलिए भाजपा के ओबीसी-दलित नेताओं को धुर सवर्ण विरोधी मानसिकता से बचना होगा, अन्यथा प्रतिक्रिया वश सवर्ण यदि ओबीसी की राजद और दलितों की लोजपा रामविलास को सियासी शह दे देंगे तो भाजपा के ओबीसी-दलित नेता न घर के रहेंगे, न घाट के। दसवां बड़ा राजनीतिक संदेश और स्वाभाविक सवाल यह है कि भाजपा के पैराशूट राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन द्वारा खाली की गई इस प्रतिष्ठित सीट पर बीजेपी चुनाव कैसे और क्यों हारी? क्या इसके पीछे भी उसकी कोई बड़ी रणनीति है या फिर अपने बड़े नेताओं के खिलाफ हुई भितरघात की वजह से भाजपा को यह शर्मनाक पराजय झेलनी पड़ी। चूंकि ऐसा माना जाता है कि कोई भी सत्ताधारी पार्टी प्रायः उपचुनाव नहीं हारती है, इसलिए यदि भाजपा हारी है तो इससे भी कई बड़े सवाल उपजते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या बांकीपुर में हुई चुनावी हार भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार की हार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पूर्वमुख्यमंत्री नीतीश कुमार, और बड़बोले केंद्रीय मंत्री गण चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की संयुक्त हार है, क्योंकि सबने एक दूसरे के साथ सियासी घात-प्रतिघात किया है, ताकि सूबाई राजनीति में गठबंधन साथियों की प्रासंगिकता बनी रहे।

# हर्षोल्लास से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस, गोंडवाना भवन में हुआ भूमि पूजन

भानुप्रतापपुर। आदिवासी अस्मिता और संस्कृति का प्रतीक विश्व आदिवासी दिवस भानुप्रतापपुर में पूरे उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नगर व आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत गोंडवाना समाज भवन में बैगा-पुजारियों द्वारा बूढ़ादेव एवं देवी-देवताओं की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई। समाज की सुख-समृद्धि की कामना के बाद शहीद बिरसा मुंडा और वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद गोंडवाना भवन से एक विशाल रैली निकाली गई, जो नगर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी। ढोल-मांदल की थाप और डीजे की धुन पर युवा, महिलाएं और बच्चे झूमते नजर आए। जय आदिवासी, जय जोहार और जल-जंगल-जमीन बचाओ के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। समाज भवन का भूमिपूजनः इस अवसर पर अंतागढ़ मार्ग पेट्रोल पंप के सामने सर्व आदिवासी समाज भवन के निर्माण हेतु भूमिपूजन भी किया गया। समाज के वरिष्ठों ने कहा कि यह भवन सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र बनेगा। प्रोफेसर लक्ष्मण यादव का स्वागतः अंतागढ़ जाते समय भानुप्रतापपुर रुके प्रसिद्ध शिक्षाविद् व समाजसेवी प्रोफेसर लक्ष्मण यादव का सर्व आदिवासी समाज द्वारा श्रीफल, पुष्पगुच्छ और पारंपरिक तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया। अपने संबोधन में प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा आदिवासी समाज प्रकृति का सच्चा रक्षक है। युवा पीढ़ी को अपनी परंपराओं को सहेजने के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा को भी अपनाना होगा, क्योंकि शिक्षा ही समाज के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा माध्यम है। सर्व आदिवासी समाज के ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णा टेकाम ने प्रो. यादव के मार्गदर्शन को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

नगर पालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल एवं कलेक्टर नम्रता जैन ने 13 आत्मसमर्पित नक्सलियों को 24.30 लाख रुपये की राशि वितरण

# आत्मसमर्पित नक्सलियों को शस्त्र के एवज में 70.68 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत

नारायणपुर। जिले में नक्सल उन्मूलन एवं समाज की मुख्यधारा में लौटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत शस्त्रों के साथ आत्मसमर्पण करने वाले 50 आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए शस्त्र के एवज में कुल 70 लाख 68 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। इसी क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल एवं कलेक्टर नम्रता जैन द्वारा 13 आत्मसमर्पित नक्सलियों को कुल 24 लाख 30 हजार 600 रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई। यह राशि आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा जमा किए गए शस्त्रों के एवज में स्वीकृत प्रोत्साहन राशि के अंतर्गत प्रदान की गई है। शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने वाले लोगों को विभिन्न प्रकार की सहायता और प्रोत्साहन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य आत्मसमर्पित नक्सलियों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना तथा उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के माध्यम से स्थायी रूप से समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। कलेक्टर नम्रता जैन ने आत्मसमर्पित लोगों से शासन की पुनर्वास योजनाओं का लाभ उठाकर अपने परिवार के साथ बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास और शांति की राह अपनाना समाज और क्षेत्र के हित में महत्वपूर्ण कदम है। शस्त्रों के साथ आत्मसमर्पण करने वाले शेष पात्र हितग्राहियों को भी नियमानुसार स्वीकृत प्रोत्साहन राशि का वितरण किया जाएगा। जिले में आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास की प्रक्रिया के माध्यम से प्रभावित लोगों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के प्रयास लगातार जारी है।

# मुक्तिधाम तथा कब्रिस्तान में भी पौधारोपण किया जन सहयोग की टीम ने

कांकेर। कांकेर शहर की समाजसेवी संस्था जन सहयोग द्वारा वन विभाग के सहयोग से स्थानीय मुक्तिधाम तथा मुस्लिम एवं ईसाई कब्रिस्तान में भी जाकर फलदार एवं फूलदार पेड़ों का रोपण किया। इस प्रकार शहर में आज रविवार 9 अगस्त 2026 से एक नई परिपाटी का जन्म हुआ। आज से पूर्व किसी भी संस्था ने अंतिम संस्कार वाले स्थान में पौधारोपण करने पर ध्यान ही नहीं दिया था। यह प्रस्ताव जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी द्वारा विभिन्न समाज प्रमुखों के सामने रखा गया, जिसे हर धर्म के लोगों ने खुशी से स्वीकार किया और 9 अगस्त को पौधारोपण की तारीख निश्चित की गई। तदनुसार मसीह समाज के मनकेशरी स्थित कब्रिस्तान में सर्वप्रथम सुबह 7:00 बजे पौधारोपण कार्यक्रम किया गया, क्योंकि आज रविवार होने के कारण मसीही समाज का प्रार्थना का दिन था। इसके पश्चात अन्नपूर्णा पारा स्थित मुस्लिम कब्रिस्तान में 1 घंटे बाद पौधारोपण किया गया तथा लगभग इतने ही समय पश्चात 9:00 बजे सनातन धर्म मुक्तिधाम में समाजसेवियों ने पहुंचकर पौधारोपण किया। मुस्लिम कब्रिस्तान में समाज के अध्यक्ष जावेद मेमन ने सभी समाजसेवियों की प्रशंसा करते हुए ÷जन सहयोग÷ के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के लिए बहुत अच्छे शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा कि उनकी समाज सेवाएं अत्यंत काबिले तारीफ़ हैं।

खुशी की बात है कि उनके नेतृत्व में अंतिम संस्कार वाले स्थान में फलदार फूलदार पौधे रोपित किये जा रहे हैं। समाज की ओर से अब्दुल रफीक़ हाजी सत्तार, गुलताज खान तथा अंजुमन कमेटी के प्रेसिडेंट जावेद मेमन ने सक्रिय सहयोग दिया। क्रिश्चियन समाज की ओर से प्रमुख कार्यकर्ता (सेवक) नीरज जोफ़, डॉ प्रदीप क्लाडियस, आकाश राव आदि ने पौधारोपण किया। जन सहयोग संस्था की ओर से अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा धर्मेंद्र देव, जितेंद्र प्रताप देव, दिलीप गंजीर, अखिलेश साहू, आशुतोष देव, शैलेंद्र देहारी, भूतपूर्व सैनिक टी के जैन, दीपक दैहारी, सागर देव ने सक्रिय भाग लिया। वन विभाग के सहयोगियों में अरुण नेताम परिक्षेत्र सहायक कांकेर, विमल ठाकुर परिक्षेत्र सहायक मर्दापोटी, चैनसिंह वट्टी परिक्षेत्र सहायक पुसवाड़ा, मनोज साहू प.स. पीढ़पाल, हेमलता शोरी परि सहायक सुरेली, वनरक्षक पुनेश यादव, चेतन पवार, हिमालय खड़हा, सुरेखा नेताम, शेष कुमार नेताम, राजवीर दुग्गा, छबीला नेताम, लोकेंद्र सिन्हा, तिहारीन कवाची, पुष्पलता भंडारी ने विशेष सहयोग दिया। अजय पप्पू मोटवानी 20 ने कहा कि आज से हम सब समाजसेवियों ने शहर में एक नई परंपरा शुरू कर दी है, जो सदैव चलती रहेगी और उन स्थानों में भी फूल पौधों की बहार रहेगी, जहां मृतात्माओं के अंतिम संस्कार किए जाते है।

# 1000 से अधिक बच्चों तक पहुंचा अधिकार और सुरक्षा का संदेश

किरंदुल। युवाओं द्वारा चलाई जा रही सामाजिक जागरूकता पहल 'बस्तर की आवाज' (वॉइस ऑफ बस्तर) के जरिए बस्तर क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों और आदिवासी समुदायों के 1000 से अधिक बच्चों तक अधिकारों और सुरक्षा से जुड़ी जानकारी पहुंचाई गई है।पहल के तहत आयोजित सत्रों में बच्चों को मौलिक अधिकार, संवैधानिक अधिकार, बाल अधिकार, महिला अधिकार, पॉक्सो अधिनियम (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम), साइबर सुरक्षा, डिजिटल सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा और हेल्पलाइन सेवाओं जैसे अहम विषयों की आसान भाषा में जानकारी दी गई। इस पहल की संस्थापक मिताली वर्मा, बी.ए. एल.एल.बी. की छात्रा, खुद स्कूलों में जाकर बच्चों से सीधा संवाद कर रही हैं। ग्रामीण और आदिवासी अंचलों के बच्चों तक कानूनी और सुरक्षा संबंधी बुनियादी जानकारी पहुंचाना इस अभियान की प्राथमिकता है। अभियान के दौरान टीम ने बच्चों की समस्याओं को सुना और विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा भी लिया। आयोजकों का कहना है कि इसका उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित व सशक्त बनाना है। अब तक 1000 से अधिक बच्चों तक पहुंचना इस युवा पहल की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। कार्यक्रमों के फोटो, विद्यार्थियों के फीडबैक और अन्य दस्तावेज भी रिकॉर्ड के रूप में सुरक्षित रखे गए है।

## खेत में सजा था जुए का फड़, पुलिस ने मारी रेड; 5 जुआरी दबोचे, 57,650 नगद समेत 4 वाहन जब्त

किरंदुल। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कोड़ेनार पंचायत भवन प्रांगण में आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम कोड़ेनार सरपंच मीना मंडावी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिसके बाद उपस्थित लोगों को आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। तत्पश्चात पंचायत के वरिष्ठजनों का सम्मान शॉल श्रीफल भेंट कर किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति की विशेष झलक देखने को मिली। इस दौरान मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग सदस्य दीपिका शोरी, किरन्दुल नगरपालिका अध्यक्ष रूबी सिंह।

# कोटरी नदी में अचानक पलटी नाव, 12 लोग और दो मोटरसाइकिलें बाल-बाल बचीं

कांकेर।। कांकेर कोटरी नदी के बेचाघाट में शुक्रवार को उस समय अफ़रा-तफ़री मच गई, जब करीब 12 लोगों और दो मोटरसाइकिलों को लेकर जा रही नाव अचानक पलट गई। हालांकि नाविक और स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी सवारों को सुरक्षित नदी किनारे निकाल लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि नदी में जलस्तर फिलहाल कम है। इसी दौरान नाव पानी के अंदर मौजूद रेत के टीले से टकरा गई, जिससे नाव अचानक एक तरफ झुक गई और देखते ही देखते पलट गई। नाव में सवार लोगों में कुछ समय के लिए घबराहट की स्थिति बन गई और वे आनन-फानन में नाव से बाहर निकलने लगे।

नाव पलटने के दौरान उसमें रखा यात्रियों का सामान, मोबाइल फोन, किराना सामग्री, राशन सहित अन्य सामान पानी में डूब गया। हादसे के बाद नाविक मंगू राम कचलामी और स्थानीय लोगों ने बिना देर किए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर नदी के किनारे पहुंचाया गया। नाविक मंगू राम कचलामी की सूझबूझ और स्थानीय लोगों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद लोगों ने नदी में नाव संचालन के दौरान विशेष सावधानी बरतने की जरूरत बताई है। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

# अबूझमाड़ में फिर दिखी पुलिस की मानवीय संवेदना

अस्पताल पहुंचाकर डीआरजी जवानों ने निभाया इंसानियत का फर्ज

नारायणपुर। दुर्गम एवं पहुंचविहीन अबूझमाड़ में नारायणपुर पुलिस सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था के साथ-साथ ग्रामीणों की मदद और मानवीय संवेदनाओं के प्रति भी पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। इसी क्रम में ग्राम कुड़मेल में डीआरजी जवानों ने एक गर्भवती महिला को समय पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए कठिन एवं दुर्गम रास्तों से सुरक्षित निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ओरछा पहुंचाया। कुड़मेल कैंप में सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम की एक गर्भवती महिला को तत्काल अस्पताल ले जाना आवश्यक है। सूचना मिलते ही डीआरजी जवानों ने बिना किसी देरी के तत्काल सहायता के लिए कदम बढ़ाया। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और आवागमन की कठिनाइयों के बावजूद जवानों ने बाइक के माध्यम से महिला को सुरक्षित बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ओरछा पहुंचाकर भर्ती कराया, जहां महिला को आवश्यक चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराया गया। इस मानवीय एवं साहसिक कार्य में प्रधान आरक्षक बोमडू राम वेजाम, बस्तर फाइटर आरक्षक रामलाल शोरी एवं सुरेश बेलसरिया की अहम भूमिका रही। इस मानवीय पहल पर पुलिस अधीक्षक नारायणपुर संदीप पटेल ने डीआरजी जवानों की तत्परता एवं संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा-अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्र में पुलिस की जिम्मेदारी केवल सुरक्षा और कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है। जरूरत के समय ग्रामीणों की सहायता करना और उनके जीवन की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करना भी हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। डीआरजी जवानों द्वारा गर्भवती महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाना पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और मानवीय प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

# आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ कांकेर पुलिस की कार्रवाई

कांकेर। कांकेर पखांजूर जुआ, सट्टा एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफकांकेर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में पखांजूर पुलिस ने जुआ पड़ पर दबिश देकर 5 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ?57,650 नगद, ताश की 52 पत्ती के अलावा 4 वाहन जब्त किए हैं। जब्त वाहनों की अनुमानित कीमत करीब ?6.10 लाख बताई गई है। पुलिस के अनुसार 8 अगस्त 2026 को पखांजूर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम पीढ़ी-118 रतनपुर के खेतलाड़ी में कुछ लोग ताश की 52 पत्ती से रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी एवं रेड की कार्रवाई की और मौके से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में राकेश जायसवाल (41), पवित्र मंडल (39), रमेश जैन (36), कृपासिंधु ढाली (31) और संजय ढाली (37) शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से ?57,650 नगद, ताश की 52 पत्ती की 2 गड्डियां, 1 बोलेरो, 1 अपाचे मोटरसाइकिल, 1 एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल और 1 स्कूटी जब्त की है।पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 3(2), छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

मिनी स्टेडियम में उमड़ा जनसैलाब, अधिकारों और स्वशासन के मुद्दों पर बुलंद हुई आवाज

# विश्व आदिवासी दिवस पर राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

बीजापुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न आदिवासी सामाजिक संगठनों एवं समाज प्रमुखों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल रमन डेका तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम जिला प्रशासन के माध्यम से एसडीएम जागेश्वर कौशल को संयुक्त ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों, स्वशासन, सामाजिक न्याय, जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा तथा पांचवीं अनुसूची एवं पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।ज्ञापन में जनगणना में पृथक आदिवासी धर्म कोड लागू करने, परिसीमन में आदिवासी प्रतिनिधित्व सुरक्षित रखने, अनुसूचित क्षेत्रों में निजीकरण पर रोक लगाने, आदिवासी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा भू-माफियाओं पर नियंत्रण के लिए विशेष कानून बनाने की मांग की गई। इसके अलावा नक्सल मामलों में जेलों में बंद निर्दोष आदिवासी युवाओं की रिहाई, वन अधिकार कानून के पूर्ण क्रियान्वयन, ग्राम सभा की अनिवार्य सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण एवं खनन परियोजनाओं पर रोक तथा अनुसूचित जनजाति उपयोजना (टीएसपी) निधि के प्रभावी उपयोग की मांग भी शामिल रही। जिला स्तरीय मांगों में कुटरू और गंगालूर को विकासखंड का दर्जा देने, पोटाकेबिन संस्थाओं में नियमित स्टाफ व्यवस्था लागू करने, लाल पानी की समस्या से प्रभावित किसानों को राहत एवं मुआवजा प्रदान करने, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पदों पर भर्ती तथा आदिम जाति कल्याण विभाग के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग प्रमुख रही। समाज प्रमुखों ने कहा कि आदिवासी समुदाय की अस्मिता, परंपरागत अधिकारों और स्वशासन की रक्षा के लिए सरकार को ठोस एवं संवैधानिक पहल करनी चाहिए। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बीजापुर के मिनी स्टेडियम में भव्य आयोजन भी किया गया, जिसमें जिले भर से हजारों की संख्या में आदिवासी समुदाय के साथ-साथ अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं विभिन्न समाजों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आदिवासी पुरखों के सम्मान में पूजा-अर्चना से हुआ, जिसके बाद समाज प्रमुखों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात विभिन्न नर्तक दलों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक वेशभूषा में शामिल प्रतिभागियों ने अपनी सांस्कृतिक विरासत का शानदार प्रदर्शन किया। बाद में विशाल रैली निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पहुंची। यहां माल्यार्पण कर उनके सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक अधिकारों के लिए किए गए योगदान को स्मरण किया गया। रैली के पश्चात आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने शिक्षा और जागरूकता को समाज की उन्नति का सबसे बड़ा माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकार संविधान में सुरक्षित हैं, लेकिन उन्हें प्राप्त करने के लिए समाज को संगठित होकर अपनी बात मजबूती से रखनी होगी। उन्होंने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन जागरूक समाज ही अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है।सभा को वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बी.आर. पुजारी, बस्तर संभाग का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेष वक्ता तुलसी ठाकुर, जग्गूराम तेलामी, अशोक तलांडी, कैलाश रामटेके तथा नीना रावतिया उद्दे ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने आदिवासी संस्कृति, शिक्षा, संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक एकजुटता पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के अंत में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी वर्गों और समुदायों के लोगों ने सहभागिता निभाई। विश्व आदिवासी दिवस का यह आयोजन सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव, भाईचारे और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश देकर संपन्न हुआ।

## संक्षिप्त समाचार

### पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू

**बिलासपुर।** आदिवासी विकास विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया जारी है। विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन के नवीनीकरण तथा नवीन आवेदन हेतु पोर्टल पर ऑनलाईन पंजीयन किये जा सकते है। 3आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि जिले के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग, आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से संचालित की जाएगी। विभाग द्वारा आवेदन प्राप्ति, परीक्षण, स्वीकृति एवं छात्रवृत्ति वितरण के लिए चरणबद्ध समय-सीमा निर्धारित की गई है, ताकि पात्र विद्यार्थियों को समय पर लाभ मिल सके। छात्रवृत्ति राशि का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से सीधे विद्यार्थियों के आधार सीडेड बैंक खातों में किया जाएगा। सत्र 2026-27 के लिए पात्र विद्यार्थियों को एनएसपी पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल पर उपलब्ध दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।आदिवासी विकास विभाग ने विद्यार्थियों को आवेदन करते समय अपने सक्रिय एवं आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी सही दर्ज करने की सलाह दी है। साथ ही सभी संस्था प्रमुखों, छात्रवृत्ति प्रभारियों एवं पात्र विद्यार्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा गया है, ताकि छात्रवृत्ति वितरण समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

### खेत से रोपा लगाकर लौट रहे ग्रामीणों पर गिरी आकाशीय बिजली, महिला की मौत; एक झुलसा

**बिलासपुर।** जिले के सीपत थाना क्षेत्र के ग्राम सेलर बरभाठा में खेत से रोपा लगाकर लौट रहे ग्रामीण आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक ग्रामीण झुलस गया। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, खेत में रोपा लगाने के बाद हीराबाई धुरी और सुग्रीव धुरी वापस लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरने से दोनों उसकी चपेट में आ गए। हादसे में दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। परिजनों और ग्रामीणों ने दोनों को उपचार के लिए बिलासपुर स्थित सिम्स अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद हीराबाई धुरी को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल सुग्रीव धुरी का उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलने पर सीपत पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला की मौत की खबर के बाद गांव में शोक का माहौल है।

### नाबालिग छात्रा का पीछा और छेड़छाड़ करने का आरोप, युवक गिरफ्तार

**बिलासपुर।** सरकंडा थाना क्षेत्र की मोपका चौकी पुलिस ने नाबालिग छात्रा का पीछा करने और कथित रूप से छेड़छाड़ करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता के पिता ने 8 अगस्त 2026 को मोपका चौकी में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि मोहल्ले में रहने वाला मनीष कंवर (26 वर्ष), निवासी कुटीपारा मोपका, उनकी करीब 14 वर्षीय नाबालिग बेटी का लगभग दो महीने से स्कूल आने-जाने के दौरान पीछा कर रहा था और कथित रूप से इशारे करता था। शिकायत मिलने के बाद मोपका चौकी पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अपराध दर्ज किया। पुलिस ने अपराध क्रमांक 1139/2026 के तहत धारा 78, 79 बीएनएस एवं धारा 12 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पुलिस ने आरोपी के खिलाफआवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी की। आरोपी को 9 अगस्त 2026 को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

### कन्या छात्रावास अनंतपुर में विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

**कोंडागांव।** विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कन्या छात्रावास अनंतपुर में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी जी के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय के नेतृत्व में अधिकार मित्र सुप्रिया शील के द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विद्यार्थियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंतर्गत विभिन्न योजनाओं एवं आज 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस मनाए जाने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित दिवस और अनुसूचित जनजाति के लोगों के अधिकारों से संबंधित जानकारी देते हुए उनके कर्तव्यों की जानकारी प्रदान की गई ।

**हर नागरिक महसूस करे कि देश उसका है, इसे बेहतर बनाने में अपनी भूमिका निभाए : कलेक्टर**

# वंदे मातरम् और हर घर तिरंगा अभियान के तहत युवाओं से संवाद, कलेक्टर और एसएसपी ने दिलाई तिरंगा शपथ

बिलासपुर/ संवाददाता

वंदे मातरम् और हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्थानीय साइंस कॉलेज के राघवेंद्र राव सभाभवन में युवाओं से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं एनएसएस स्वयंसेवकों से संवाद किया और उन्हें तिरंगा शपथ दिलाई। इस अवसर पर युवाओं से देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि हमारा देश तेजी से प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक नागरिक यह महसूस करे कि देश उसका अपना है और देश को बेहतर बनाने में उसकी भी भूमिका है। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उनके विचार, ऊर्जा और रचनात्मकता राष्ट्र निर्माण को नई दिशा दे सकती है। एनएसएस समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसके जरिए युवाओं को समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और निभाने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि देश को आजादी अनेक स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान के बाद मिली है। आजादी का अर्थ यह नहीं है कि हम अपनी इच्छानुसार कुछ भी करें। वास्तविक स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। हमें संविधान, कानून और नियमों का पालन करते हुए दूसरे लोगों के सम्मान और अधिकारों का भी ध्यान रखना

चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर ईमानदारी और जिम्मेदारी से अच्छा कार्य करे, तो 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करना संभव है। कलेक्टर ने कहा कि सरकार और समाज युवाओं को आगे बढ़ने तथा विकास में योगदान देने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। इन अवसरों का अनुशासन, विश्वास और सकारात्मक सोच के साथ उपयोग किया जाए तो इससे व्यक्ति, समाज और देशकृतीनों का भला होगा। उन्होंने युवाओं से कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इसके सम्मान के साथ हमें अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहना चाहिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने युवाओं से कहा कि उन्होंने अपने जीवन के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, उन्हें ध्यान में रखकर निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ें। दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ किया गया प्रयास सफलता की ओर जरूर ले जाता है। उन्होंने युवाओं को नशे से पूरी तरह दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि नशे का हर स्वरूप नुकसानदेह है। युवा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग सकारात्मक कार्यों में करें। एसएसपी ने साइबर अपराधों के प्रति युवाओं को जागरूक करते हुए बताया कि जिले में 11 से 15 अगस्त तक साइबर फ्रॉड जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

# सैनिकों के सम्मान में स्काउट्स गाइड्स का रक्षा सूत्र अभियान

**बिलासपुर।** रक्षाबंधन के अवसर पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात सैनिकों के सम्मान में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ बिलासपुर द्वारा 'रक्षा सूत्र अभियान' शुरू किया गया है। अभियान के तहत स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स अपने हाथों से हस्तनिर्मित राखियां तैयार कर रहे हैं। इन राखियों के माध्यम से सैनिक भाइयों तक प्रेम, सम्मान और राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाया जाएगा। अभियान को लेकर स्काउट-गाइड सदस्यों में खासा उत्साह है। सदस्य अपनी रचनात्मकता के साथ राखियां तैयार कर रहे हैं। अभियान का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम, सेवा भावना, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। 'एक राखी सैनिक भाई

के नाम' की भावना से चलाया जा रहा यह अभियान सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ युवाओं को देशसेवा के लिए प्रेरित करने का माध्यम भी बनेगा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा और राज्य सचिव ब्रजेश बाजपेयी के मार्गदर्शन में अभियान संचालित किया जा रहा है। जिला स्तर पर जिला मुख्य आयुक्त राजेंद्र कुमार साहू, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अजय कौशिक, जिला सचिव लता यादव, जिला संगठन आयुक्त स्काउट महेंद्र बाबू टंडन और जिला संगठन आयुक्त गाइड डॉ. पूनम सिंह के मार्गदर्शन में गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

# थाना कोतवाली और साइबर की टीम ने लाखा के राज फैमिली ढाबा पर की रेड..

**रायगढ़।** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में जिले में अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अमित तिवारी के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस टीम द्वारा रायगढ़-पूंजीपथरा मार्ग पर प्रतिदिन पेट्रोलिंग करते हुए होटल एवं ढाबों की जांच की जा रही है। साथ ही अवैध शराब के कारोबार की सूचना देने के लिए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया है। इसी कड़ी में दिनांक 08 अगस्त 2026 को ग्राम लाखा स्थित राज फैमिली ढाबा के बाहर रोड किनारे अवैध शराब बिक्री की सूचना पर कोतवाली एवं थाना साइबर की संयुक्त टीम द्वारा रेड कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान ढाबा के पास संचालक लवली मखीजा पिता किशोर कुमार मखीजा, उम्र 40 वर्ष, निवासी सिंधी कॉलोनी वार्ड क्रमांक 22, थाना चक्रधरनगर, जिला रायगढ़ को अवैध रूप से शराब बिक्री करते पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 21 पाव रोमियो देसी प्लेन शराब, 09 पाव गोवा व्हिस्की अंग्रेजी शराब एवं शराब बिक्री की रकम 800 रुपये, कुल 5.400 बल्क लीटर शराब, जुमला कीमत 3,470 रुपये की जप्ती की गई। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में धारा 34(2), 59-क आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं थाना प्रभारी पुसौर निरीक्षक हर्षवर्धन सिंह बैस के नेतृत्व में क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध ग्रामीणों को जागरूक करते हुए अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की सूचना पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक 09 अगस्त 2026 की सुबह सखी महिला समूह के सदस्यों को ग्राम सूरजगढ़ में सलेन्द्री यादव पति स्व. शोभानाथ यादव, उम्र 55 वर्ष के घर में अवैध शराब बिक्री किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर समूह की अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों द्वारा उक्त महिला के घर जाकर तलाशी ली गई, जहां एक प्लास्टिक बोरी के थैले के अंदर सफेद रंग की पन्नी में भरी करीब 10 लीटर कच्ची महुआ शराब मिली। महिला समूह द्वारा शराब एवं संबंधित महिला को कार्रवाई के लिए थाना पुसौर लाकर पुलिस के सुपुर्द किया गया। पुलिस द्वारा आरोपीया सलेन्द्री यादव पति स्व. शोभानाथ यादव, उम्र 55 वर्ष, निवासी सूरजगढ़, थाना पुसौर, जिला रायगढ़ के कब्जे से करीब 10 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब, कीमत करीब 1,000 रुपये जब्त कर उसके विरुद्ध धारा 34(2), 59-क आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

# शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण..... और नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी

**बिलासपुर।** तोरवा पुलिस ने शादी का झांसा देकर महिला का दैहिक शोषण करने और नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपये के जेवर व नगदी ठगने के आरोप में फरार आरोपी को उसकी पत्नी सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को बल्लभगढ़, हरियाणा से गिरफ्तार कर बिलासपुर लाया। न्यायालय में पेश किए जाने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, कोरबा निवासी पीड़िता ने 9 मार्च 2026 को थाना तोरवा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता की पहचान सोशल मीडिया मैट्रिमोनियल साइट 'शादी डॉट कॉम' के माध्यम से पामगढ़, जांजगीर-चांपा निवासी पवन कुमार यादव से हुई थी। आरोप है कि पवन यादव ने खुद को अविवाहित बताकर पीड़िता को विश्वास में लिया और शादी का आश्वासन देकर उसके साथ दैहिक शोषण किया। इसके बाद नौकरी लगाने का झांसा देकर उससे नगदी और सोने-चांदी के जेवर हासिल किए। पुलिस के मुताबिक, ठगी गई संपत्ति की अनुमानित कीमत करीब 12 से 13 लाख रुपये है। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी अपने ठिकाने से फरार हो गया और अपनी पत्नी के साथ लगातार स्थान बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास करता रहा। तोरवा पुलिस ने आरोपी की तलाश में पामगढ़ और सरकंडा, बिलासपुर स्थित उसके ससुराल सहित कई संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला और कोई ठोस सुराग नहीं मिल पा रहा था। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर 5 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के मोबाइल नंबर और विभिन्न बैंक खातों की जानकारी का विश्लेषण शुरू किया। जांच में आरोपी के अधिकांश बैंक खाते बंद पाए गए, जबकि उसकी पत्नी नवीता यादव के एक बैंक खाते में लेन-देन जारी मिला। बैंक खाते के ट्रांजेक्शन की जांच करने पर बल्लभगढ़, हरियाणा क्षेत्र में राशि निकाले जाने की जानकारी सामने आई। इस सुराग के आधार पर पुलिस टीम को दिल्ली-हरियाणा क्षेत्र रवाना किया गया। जांच के दौरान आरोपी द्वारा जिस च्वाइस सेंटर से राशि निकाली गई थी, उससे जुड़े सुरागों और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पुलिस टीम आरोपी दंपत्ति तक पहुंच गई। तोरवा पुलिस ने लगातार पतासाजी के बाद पवन कुमार यादव (34) और उसकी पत्नी नवीता यादव (30) को बल्लभगढ़, हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया। दोनों को बिलासपुर लाया गया और 9 अगस्त 2026 को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। पवन कुमार यादव (34 वर्ष), पिता स्व. शंकरलाल यादव, निवासी ग्राम डुडंगा, थाना पामगढ़, जिला जांजगीर-चांपा। नवीता यादव (30 वर्ष), पति पवन कुमार यादव, निवासी ग्राम डुडंगा, थाना पामगढ़, जिला जांजगीर-चांपा। पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 138/2026 के तहत संबंधित धाराओं में कार्रवाई की है। पुलिस की लगातार तकनीकी निगरानी और बैंक ट्रांजेक्शन के विश्लेषण से फरार आरोपी दंपत्ति तक पहुंचने में सफलता मिली।

# गुम मोबाइल की रिकवरी में बिलासपुर पुलिस राज्य में प्रथम,2026 में 1250 मोबाइल बरामद

- अर्पण कार्यक्रम में 30 लाख रुपये कीमत के 202 मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए
- साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए किया जागरूक

**बिलासपुर।** गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी और उन्हें उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाने के मामले में बिलासपुर पुलिस ने राज्य में पहला स्थान हासिल किया है। वर्ष 2026 में अब तक पुलिस ने 1250 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को वापस किए हैं। इसी कड़ी में स्वतंत्रता दिवस उत्सव के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे चेतना अभियान के तहत रविवार को अर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें करीब 30 लाख रुपये कीमत के 202 मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे गए। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह (भा.पु.से.) के निर्देश पर गुम मोबाइल की तलाश और बरामदगी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। एसीसीयू (साइबर सेल) की टीम ने तकनीकी संसाधनों और लगातार प्रयासों के जरिए छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ सीमावर्ती राज्यों से भी गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए। अर्पण कार्यक्रम में जब लोगों को लंबे समय बाद उनके गुम हुए मोबाइल फोन वापस मिले तो उनके चेहरे पर खुशी और संतोष नजर आया। कई मोबाइल धारकों ने मोबाइल मिलने की उम्मीद लगभग छोड़ दी थी। मोबाइल वापस मिलने पर उन्होंने बिलासपुर पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार जताया। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक 1250 मोबाइल फोन रिकवर किए जा चुके हैं। गुम मोबाइल की बरामदगी और उन्हें वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाने के मामले में बिलासपुर पुलिस को राज्य में प्रथम बताया गया है। कार्यक्रम के दौरान साइबर सेल के प्रभारी निरीक्षक गोपाल सतपथी एवं टीम ने उपस्थित नागरिकों को वर्तमान समय में हो रहे विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड के संबंध में जागरूक किया। लोगों को साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए गए। इसके साथ ही भारत सरकार के मोबाइल एप्लीकेशन संचार साथी के संबंध में जानकारी देते हुए इसके उपयोग और मोबाइल एवं साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। मोबाइल फोन की बरामदगी और उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाने में एसीसीयू (साइबर सेल) बिलासपुर तथा जिले के सभी थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने नागरिकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि गुम हुए मोबाइल की शिकायत को गंभीरता से लेकर तकनीकी माध्यमों से उसकी तलाश की जा रही है। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं एसीसीयू मधुलिका सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पंकज कुमार पटेल।

# छात्रवृत्ति की स्वीकृति समय-सीमा में सुनिश्चित करने जनसुनवाई के प्रभावी आयोजन के दिए गए निर्देश...

- प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने ली विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक

बिलासपुर। संवाददाता

आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आज बिलासपुर प्रवास के दौरान विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कलेक्टर परिसर स्थित मंथन सभाकक्ष में बिलासपुर संभाग के सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं परियोजना प्रशासकों की बैठक लेकर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल सहित बिलासपुर संभाग के सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, परियोजना प्रशासक तथा संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में प्रमुख सचिव श्री बोरा ने छात्रवृत्ति की स्वीकृति निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करने तथा इसके लिए संस्था प्रमुखों की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत गांवों में स्थापित आदि सेवा केंद्रों में 13 से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाली जनसुनवाई की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों एवं मैदानी अधिकारियों के समन्वय से जनसुनवाई को प्रभावी ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में पीएम जनमन योजना के तहत निर्मित बहुउद्देशीय केन्द्रों के

संचालन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति, प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश एवं संचालन, छात्र-छात्राओं की कोचिंग के लिए संस्था चयन तथा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रवेश की स्थिति की समीक्षा की गई। इसी प्रकार विद्यार्थियों को समय पर पठन सामग्री एवं गणवेश वितरण, छात्रवृत्ति की स्वीकृति, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत स्वीकृत कार्यों एवं विलेज वेरिफिकेशन सर्वे, प्रधानमंत्री अभ्युदय योजना एवं आदर्श ग्राम सर्वेक्षण की प्रगति, विद्यार्थी पोषण उपवन तथा पीएचडीटीजी सर्वे कार्यों की जानकारी ली गई। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों को योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने तथा मैदानी स्तर पर आ रही समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का उद्देश्य केवल स्वीकृति तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

# सावन शिवरात्रि का हिंदू धर्म में विशेष महत्व

सावन शिवरात्रि का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है और सभी शिवभक्तों को सावन शिवरात्रि का इंतजार रहता है। सावन शिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ की विशेष रूप से पूजा, आराधना और व्रत रखने का महत्व होता है। सावन शिवरात्रि पर जलाभिषेक का खास महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन शिवरात्रि पर जो भी सच्चे मन से शिवलिंग पर जल अर्पित करता है उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। इस साल सावन शिवरात्रि पर भद्रा साया रहेगा। जिसके कारण कई शिव भक्तों के मन में सवाल पैदा होता है किसी समय पर जलाभिषेक करना सबसे ज्यादा अच्छा और शुभ रहेगा।

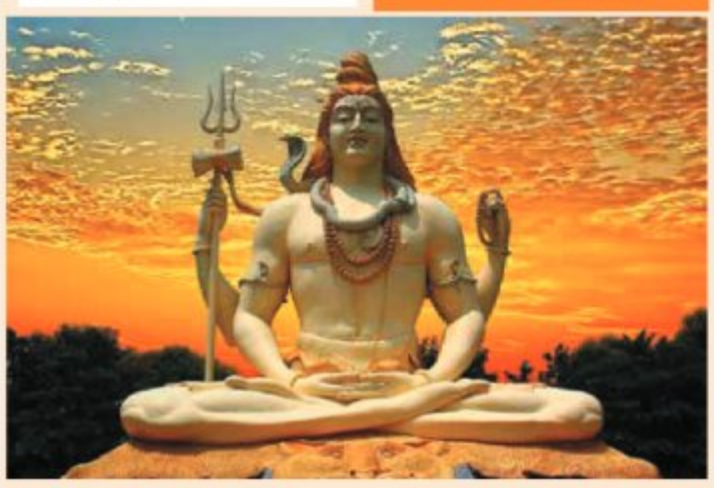

### कब है सावन शिवरात्रि 2026

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 11 अगस्त 2026 को सुबह 4 बजकर 43 मिनट पर शुरू होगी और जिसका समापन 12 अगस्त को रात 01 बजकर 51 मिनट पर होगा। उदया तिथि के आधार पर सावन शिवरात्रि का पर्व 11 अगस्त, मंगलवार को मनाई जाएगी।

### सावन शिवरात्रि पर भद्रा का साया

इस वर्ष सावन शिवरात्रि पर भद्रा का साया रहेगा। शास्त्रों में भद्राकाल का शुभ समय नहीं माना जाता है। 11 अगस्त को भद्राकाल सुबह 4 बजकर 56 मिनट से लेकर दोपहर 3 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भद्रा में किसी भी तरह का शुभ कार्य करना वर्जित होता है। ऐसे में शुभ काम को करने से बचना चाहिए, लेकिन भगवान शिव की भक्ति, पूजा-आराधना और मंत्रों के जाप पर किसी भी तरह की कोई पाबंदी नहीं है।

### सावन शिवरात्रि पर जलाभिषेक का मुहूर्त

सावन शिवरात्रि पर शिवलिंग पर जलाभिषेक का विशेष महत्व होता है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 5 बजकर 23 मिनट से लेकर सुबह 6 बजे तक का मुहूर्त है। वहीं अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 6 मिनट से लेकर 12 बजकर 58 मिनट तक रहेगा। गोधूलि मुहूर्त रात 9 बजकर 13 मिनट से लेकर 9 बजकर 32 मिनट तक रहेगा। निशिता काल का मुहूर्त रात 12 बजकर 5 मिनट से लेकर 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगा।

### शिव आराधना में चार प्रहर की पूजा का समय

शिव आराधना विशेष कर सावन शिवरात्रि पर चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व होता है।

पहला प्रहर- शाम 7 बजकर 4 मिनट से रात 9 बजकर 45 मिनट तक

दूसरा प्रहर- रात 9 बजकर 45 मिनट से 12 बजकर 26 मिनट तक

तीसरा प्रहर- रात 12 बजकर 26 मिनट से सुबह 3 बजकर 7 मिनट तक

चौथा प्रहर- सुबह 3 बजकर 7 मिनट से सुबह 5 बजकर 49 मिनट तक

# शिवरात्रि पर भगवान शिव को लगाएं ये खास भोग

सावन मास की शिवरात्रि भगवान शिव की पूजा के लिए बेहद खास मानी जाती है। इस दिन श्रद्धालु सुबह स्नान करके भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं और अपनी श्रद्धा के अनुसार व्रत रखते हैं। पूजा के दौरान भगवान शिव को उनकी पसंद की चीजों का भोग लगाने की भी परंपरा है। अगर आप भी इस शिवरात्रि घर पर प्रसाद बनाकर भोलेनाथ को अर्पित करना चाहते हैं, तो कुछ आसान और स्वादिष्ट व्यंजन तैयार कर सकते हैं।

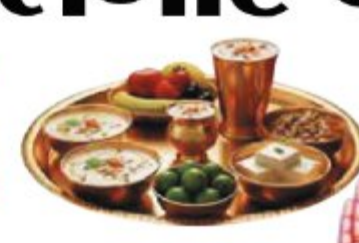

## सूजी या व्रत वाला हलवा बनाएं

भोग के लिए आप घर पर सूजी का हलवा भी तैयार कर सकते हैं। अगर आप व्रत रख रहे हैं, तो सूजी की जगह सिंघाड़े या कुट्टू के आटे से हलवा बनाया जा सकता है। सूजी का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले कढ़ाई में थोड़ा देसी घी गर्म करें। इसमें सूजी डालकर धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए सुनहरा होने तक भूनें। अलग बर्तन में पानी और चीनी गर्म करके चाशनी जैसा मिश्रण तैयार करें। अब इस गर्म पानी को सावधानी से भुनी हुई सूजी में डालें और लगातार चलाते रहें, ताकि गुठलियां न बनें। हलवा गाढ़ा होने लगे तो इसमें इलायची पाउडर और भुने हुए काजू-बादाम डाल दें। अंत में थोड़ा देसी घी डालकर मिलाएं और गैस बंद कर दें। स्वादिष्ट हलवा भोग के लिए तैयार है।

## साबूदाना या मखाने की खीर का लगाएं भोग

शिवरात्रि के व्रत में खीर एक अच्छा ऑप्शन हो सकती है। आप दूध से साबूदाने या मखाने की खीर तैयार करके भगवान शिव को भोग लगा सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दूध को एक भारी तले वाले बर्तन में उबाल लें। अगर साबूदाना इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसे पहले से भिगोकर रखें। दूध में भीगा हुआ साबूदाना डालकर धीमी आंच पर पकाएं और बीच-बीच में चलाते रहें। जब साबूदाना अच्छी तरह पक जाए और दूध थोड़ा गाढ़ा हो जाए, तब इसमें स्वादानुसार चीनी और इलायची पाउडर डालें। आखिर में कटे हुए बादाम, काजू या पिस्ता डालकर कुछ मिनट और पकाएं। तैयार खीर को ठंडा या हल्का गर्म करके भोग में अर्पित किया जा सकता है।

## घर पर बनाएं ठंडाई

शिवरात्रि के मौके पर ठंडाई भी बनाई जाती है। दूध, मेवे और कुछ सुगंधित मसालों से तैयार की गई ठंडाई स्वादिष्ट होने के साथ गर्मी के मौसम में ठंडक देने वाला पेय भी है। हालांकि, भोग के लिए बिना भांग वाली ठंडाई बनाना एक आसान ऑप्शन है। इसे बनाने के लिए बादाम, काजू, पिस्ता, खरबूजे के बीज, सौंफ और इलायची जैसी सामग्री को कुछ घंटों के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद पानी निकालकर सभी चीजों को थोड़ा दूध या पानी डालकर बारीक पीस लें। अब ठंडे दूध में यह पेस्ट, स्वादानुसार चीनी या मिश्री और थोड़ा सा केसर वाला दूध मिलाएं। इसे अच्छी तरह फेंटें और ऊपर से कटे हुए बादाम-पिस्ता और केसर डालकर सजाएं। ठंडाई को ठंडा करके भगवान शिव को भोग लगाया जा सकता है।

## पंचामृत से करें शिवलिंग का अभिषेक

भगवान शिव की पूजा में पंचामृत का विशेष महत्व माना जाता है। दूध, दही, घी, शहद और चीनी से पंचामृत तैयार किया जाता है। इसे शिवलिंग के अभिषेक में इस्तेमाल किया जा सकता है। पंचामृत बनाने के लिए एक साफ बर्तन में दूध, दही, थोड़ा घी, शहद और चीनी डालकर अच्छी तरह मिला लें। पूजा के दौरान श्रद्धा के साथ पंचामृत से अभिषेक करें और इसके बाद शिवलिंग पर साफ जल जरूर अर्पित करें। बाद पंचामृत को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जा सकता है।

# आज का राशिफल

**मेष राशि** - आज आपको अपने साथी के साथ कुछ गलतफहमी या बहस का सामना करना पड़ सकता है, और आपके लिए यह समझना मुश्किल होगा कि इससे कैसे निपटा जाए। हालांकि, आप इस स्थिति को बहुत अच्छी तरह से संभाल लेंगे और अपने कूटनीतिक कौशल से अपने साथी को प्रभावित करेंगे। हमेशा अपने प्रिय के साथ करुणा और प्रेम से पेश आएँ; इससे आपको कोई नुकसान नहीं होगा।

**वृषभ राशि** - अपने जीवन के प्यार से व्यवहार करते समय सावधान रहें, क्योंकि बहस और संघर्ष के मजबूत संकेत हैं। यदि आप अपने शब्दों का ध्यान रखते हैं, तो आप ज्यादातर समय इससे बच सकते हैं, लेकिन यदि आपका साथी खराब मूड में है, तो आपको सतर्क रहने की आवश्यकता हो सकती है। चीजों को जितना होना चाहिए, उससे अधिक खराब न करें।

**मिथुन राशि** - अगर आप अपने साथी के साथ किसी नाजुक रिश्ते के मामले पर चर्चा कर रहे हैं, तो इस बारे में सावधान रहें कि आप इस पर कैसे चर्चा करते हैं, ताकि कोई अनावश्यक गलतफहमी न हो। अपने शब्दों का चयन सावधानी से करें और अपने साथी की बातों को ध्यान से सुनें। आखिरकार, आप दोनों एक ही पृष्ठ पर हैं, लेकिन वहाँ तक पहुँचने का रास्ता थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

**कर्क राशि** - आज आपको एहसास होगा कि आपका जीवन उन लोगों को खुश करने की आपकी इच्छा से प्रेरित है, जिन्हें आप प्यार करते हैं। सुनिश्चित करें कि आप जीवन में अपने लक्ष्यों से जुड़े रहें और दूसरों को खुश करने की कोशिश में न फँसें। आपका रोमांटिक पार्टनर भी आपके लिए सबसे अच्छा चाहता है, न कि इसके विपरीत।

**सिंह राशि** - सिंह राशि वाले आज ऐसे दोस्त से सावधान रहें, जो आपके साथी के साथ आपके रिश्ते को ठीक करने की कोशिश करना चाहता है। एकमात्र मुद्दा आपके और आपके प्रियजन के बीच है, और आपके दोस्त को इसमें शामिल होने की आवश्यकता नहीं है। कोई भी बाहरी प्रभाव केवल पानी को गंदा करेगा, इसलिए बाहरी इनपुट को सीमित करें, स्पष्ट रूप से संवाद करें और आप ठीक रहेंगे।

**कन्या राशि** - कन्या राशि वाले आज अकेलापन महसूस कर सकते हैं, क्योंकि आपके साथी के पास आपके लिए ज़्यादा समय नहीं होगा। इस दिन का उपयोग अपने लिए जगह बनाने, किताब पढ़ने या दोस्तों के साथ घूमने में करें और तय करें कि यह रिश्ता आपके लिए है या नहीं। अगर आप अपने साथी से दूर इस समय का बुद्धिमानी से उपयोग करते हैं, तो आप दूसरे पक्ष से ज़्यादा समझदार और आत्म-जागरूक होकर बाहर निकलेंगे।

**तुला राशि**- आपका साथी आपसे दूर है और यह स्वाभाविक है कि आप उपेक्षित महसूस करते हैं। हालाँकि, आप अपने रिश्ते में आम तौर पर खुश हैं, लेकिन आपको लग सकता है कि आपका साथी आपके लिए बहुत व्यस्त है और आप उपेक्षित महसूस करने लगते हैं। अपने साथी को यह बताने के लिए समय निकालें कि आप क्या महसूस करते हैं।

**वृश्चिक राशि** – वृश्चिक राशि वाले आज यह आकलन करना चाहेंगे कि क्या आपका रिश्ता लंबे समय तक स्वस्थ और ठोस है, क्योंकि आप पिछले कुछ समय से रिश्ते में कुछ छिपे हुए संदेह और अविश्वास से जूझ रहे हैं। बिना बहस किए दिन गुजारना कुछ समय के लिए ठीक है, लेकिन अंत में, यह आपको अधूरा महसूस कराता है। आज मूल्यांकन करें कि क्या आपके रिश्ते आपके दिल को खुशी देते हैं और अपने दीर्घकालिक व्यक्तिगत और रिश्ते के सपनों के आधार पर चुनाव करें।

**धनु राशि**- धनु राशि वालों के रोमांटिक जीवन में आज धैर्य और क्षमा का बोलबाला है। हो सकता है कि हाल ही में आपके और आपके साथी के बीच कोई छोटी-मोटी बहस हुई हो, और आज बात करने, फिर माफ़ करने और फिर भूल जाने का दिन है। इसे दबाने की कोशिश न करें, वरना यह फिर से उभरकर आपके सामने आएगा और आपको परेशान करेगा।

**मकर राशि** - मकर राशि वाले आज छोटी-मोटी लड़ाइयों और बहसों से बचने की कोशिश करें, जो आपके और आपके साथी दोनों के मुँह में कड़वाहट छोड़ देंगी। क्षमा और धैर्य आज खेल का नाम है, क्योंकि आपकी दीर्घकालिक खुशी ही वास्तव में सबसे अधिक मायने रखती है। छोटी-छोटी बातों को अपने बीच आने देना दुख को बढ़ाएगा और विश्वास को खत्म करेगा।

**कुंभ राशि**- आज आपको अपने रोमांटिक क्षेत्र में पानी को शांत करना चाहिए, अन्यथा आपका अपने साथी के साथ विवाद होने की संभावना है। आप कुछ अनावश्यक झगड़ों से परेशान हो सकते हैं, लेकिन अगर आप अपने प्रिय को अपने प्यार का एक छोटा सा प्रतीक देते हैं, तो तनाव दूर हो जाएगा और आपका रिश्ता फिर से मधुर हो जाएगा।

**मीन राशि**- मीन राशि वाले आज कुछ हद तक भावुक महसूस कर रहे हैं और अपने साथी के प्रति अविश्वास की भावना से ग्रस्त हैं। आपको यह भी महसूस हो सकता है कि उनकी वफादारी पर सवाल उठ रहे हैं। आज, जब आपके रिश्ते में मुश्किल मुद्दे उठेंगे, तो आप अपना सिर छिपाना चाहेंगे, ताकि आप किसी भी अनावश्यक नाटक में न फँसें।

# साड़ी, सूट, कुर्ती के साथ स्टाइलिश लुक हेयरस्टाइल

त्योहारों, शादी-ब्याह, पूजा, पारिवारिक समारोह या किसी खास अवसर पर जब भी हम साड़ी, सूट, अनारकली या लहंगा पहनते हैं, तो सबसे बड़ी चिंता होती है कि कौन-सी हेयरस्टाइल पूरे लुक को और भी खूबसूरत बनाएगी। अक्सर लोग सोचते हैं कि आकर्षक हेयरस्टाइल बनाने के लिए पार्लर जाना जरूरी है, लेकिन ऐसा नहीं है। कुछ आसान और ट्रेंडी हेयरस्टाइल ऐसी भी हैं जिन्हें आप घर पर केवल 5-10 मिनट में तैयार कर सकती हैं।सही हेयरस्टाइल न केवल आपके एथनिक आउटफिट की खूबसूरती बढ़ाती है, बल्कि चेहरे के फीचर्स को भी उभारती है। यदि इसमें गजरा, छोटे फूल, मोती वाले हेयरपिन या स्टाइलिश एक्सेसरीज़ जोड़ दिए जाएं, तो साधारण लुक भी बेहद एलिगेंट दिखाई देता है। इस समय मिनिमल और नेचुरल हेयरस्टाइल का ट्रेंड काफी लोकप्रिय है। ऐसे हेयरस्टाइल जो आरामदायक हों, लंबे समय तक टिके रहें और हर तरह के आउटफिट के साथ मैच करें, उन्हें सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है। अगर आप भी इस फेस्टिव सीजन या किसी खास मौके पर बिना ज्यादा मेहनत किए स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये आसान हेयरस्टाइल आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती हैं।



## क्लासिक लो बन

लो बन एथनिक आउटफिट के साथ सबसे पसंदीदा हेयरस्टाइल में से एक है। इसे साड़ी, सिल्क सूट या लहंगे के साथ आसानी से बनाया जा सकता है। बीच की मांग या साइड पार्टिंग करके बालों का साफ-सुथरा बन बनाएं और चाहें तो गजरा, ताजे फूल या मोती वाले हेयर एक्सेसरीज से सजाएं। यह हेयरस्टाइल चेहरे को सलीकेदार और रॉयल लुक देती है।

## साइड ब्रेड

अगर आप पारंपरिक लुक में थोड़ा मॉडर्न टच चाहती हैं, तो साइड ब्रेड बेहतरीन विकल्प है। ढीली चोटी बनाकर उसमें छोटे फूल, रिबन या स्टोन पिन लगाएं। यह स्टाइल लंबे बालों पर खासतौर से खूबसूरत लगती है। कुर्ती, अनारकली या लहंगे के साथ आसानी से मैच हो जाती है।

## हाफ-अप हाफ-डाउन

जिन लोगों को खुले बाल पसंद हैं, उनके लिए हाफ-अप हाफ-डाउन हेयरस्टाइल शानदार विकल्प है। सामने के कुछ बालों को पीछे पिनअप करके बाकी बाल खुले छोड़ दें। हल्के कर्ल या वेव्स जोड़ने से हेयरस्टाइल और भी आकर्षक दिखाई देती है। यह स्टाइल लगभग हर फेस शेप और एथनिक आउटफिट पर जंचती है।

## सॉफ्ट वेवी ओपन हेयर

यदि आप बिना ज्यादा स्टाइलिंग के खूबसूरत दिखना चाहती हैं, तो बालों में हल्की वेव्स बनाकर खुले रखें। बीच या साइड की मांग निकालें और एक सुंदर हेयर क्लिप, मांग टीका या फूलों की एक्सेसरी लगाएं। यह हेयरस्टाइल खासकर जॉर्जेट, शिफॉन और फ्लोरल एथनिक आउटफिट के साथ बेहद आकर्षक लगती है।

# प्लास्टिक की बोतलों से बनाएं लालटेन

सावन में हर कोई अपने घर को सजाने का काम करता है। लोग मार्केट से सजावट का महंगा सामान खरीदते हैं, लेकिन घर की खाली और बेरंग दीवार को खूबसूरत बनाने के लिए अब महंगे गार्डन सेटअप की जरूरत नहीं है। पुरानी प्लास्टिक की बोतलों की मदद से आप आकर्षक लालटेन जैसे प्लांटर्स तैयार कर सकते हैं और उनसे शानदार DIY वर्टिकल गार्डन बना सकते हैं। अगर आप इस वर्टिकल गार्डन को तैयार कर लेंगे तो आपको घर काफी सुंदर दिखाई देगा।

### ऐसे तैयार करें लालटेन जैसा प्लांटर

जानकारी के अनुसार, बोतल के बीच वाले हिस्से में तीन या चार बड़े मेहराब जैसी कटिंग करें। ऊपर और नीचे का हिस्सा सुरक्षित रखें ताकि मिट्टी आसानी से टिक सके। नीचे कुछ छोटे छेद जरूर करें, जिससे अतिरिक्त पानी बाहर निकलता रहे और पौधों की जड़ें खराब न हों।

### इन पौधों के लिए है सबसे बेहतर

इस वर्टिकल गार्डन में धनिया, लेट्यूस, हरा प्याज, हरी मिर्च, थाइम, ऑरिगैनो और मनी प्लांट जैसे पौधे आसानी से उगाए जा सकते हैं। रोज हल्की सिंचाई और समय-समय पर देखभाल करने से आपकी खाली दीवार कुछ ही दिनों में हरे-भरे गार्डन में बदल जाएगी।

### किन चीजों की होगी जरूरत?

इस DIY प्रोजेक्ट के लिए 2 लीटर की खाली प्लास्टिक बोतल, कैंची या कटर, मजबूत रस्सी या तार, आउटडोर पेंट, हल्की पॉटिंग मिट्टी और अपनी पसंद के पौधों की जरूरत होगी। बोतल को पहले अच्छी तरह साफ करके उसका लेबल हटा दें।

### पेंट करने से बढ़ेगी खूबसूरती

इसके अलावा, बोतल पर आउटडोर पेंट या स्प्रे पेंट करने से प्लांटर आकर्षक दिखेगा और तेज धूप से पौधों की जड़ों को भी सुरक्षा मिलेगी। पेंट पूरी तरह सूखने के बाद ही उसमें मिट्टी भरें।

# सुबह खाली पेट अलसी खाने के फायदे

अलसी एक बेहद पौष्टिक सुपरफूड है, जिसे सुबह खाली पेट खाने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से अलसी का सेवन पाचन तंत्र को मजबूत करता है, दिल को स्वस्थ रखता है और वजन नियंत्रित करने में भी सहायक होता है। इसके अलावा यह त्वचा और बालों की खूबसूरती बढ़ाने के साथ-साथ ब्लड शुगर और हार्मोन संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए अलसी को अपनी सुबह की दिनचर्या में शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

### 1. पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है

अलसी में घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह का फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। यह आंतों की सफाई में मदद करता है और कब्ज, गैस व एसिडिटी जैसी समस्याओं को कम करता है। नियमित सेवन से पेट हल्का और स्वस्थ महसूस होता है।

### 2.वजन घटाने में सहायक

अलसी खाने से लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती। इसमें मौजूद फाइबर मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है और ओवरईटिंग से बचाता है। यही कारण है कि यह वजन घटाने और फिट रहने के लिए एक अच्छा विकल्प माना जाता है।

### 3. दिल को स्वस्थ रखता है

अलसी में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड और लिग्नान्स दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। यह खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बढ़ाने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से हृदय रोगों का खतरा काफी हद तक कम हो सकता है।

### 4. त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

अलसी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और हेल्दी फैट्स त्वचा को अंदर से पोषण देते हैं। इससे त्वचा में निखार आता है और ड्रायनेस कम होती है। साथ ही यह बालों को मजबूत, घना और चमकदार बनाने में भी मदद करता है, जिससे बालों का झड़ना कम होता है।

# झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ की परिचयात्मक बैठक संपन्न, संगठन को मजबूत करने का लिया संकल्प

**भिलाई।** झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ, जिला भिलाई की परिचयात्मक बैठक सेक्टर-5 स्थित बालाजी मंदिर के पास 'पंजाबी भाईचारा' भवन में आयोजित की गई। बैठक में प्रकोष्ठ के नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक एवं दुर्ग जिला संभाग प्रभारी दिनेश देवांगन, जिला सह प्रभारी कुमारी साहू, भिलाई जिला संयोजक मनोज तिवारी, प्रदेश झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ कार्यसमिति सदस्य पवन मिश्रा, दुर्ग जिला सह संयोजक दीपक सिन्हा एवं राम वृक्ष वर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण, वंदे मातरम् तथा छत्तीसगढ़ महतारी के गीत के साथ हुई। उद्घाटन उद्बोधन में जिला संयोजक मनोज तिवारी ने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और पार्टी की रीति-नीति को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस दौरान सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का परिचय कराया गया तथा उन्हें भगवा पट्टिका पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला सह संयोजक हेमंत बेहरा, रामानुज प्रसाद, जिला कोषाध्यक्ष अन्नू जायसवाल, संवाद प्रमुख विनोद शर्मा और सोशल मीडिया प्रभारी विजय शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में संवाद प्रमुख विनोद शर्मा ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

बैठक में प्रेम चंद, प्रमोद शर्मा, मीना गिरी गोस्वामी, निशा चौरसिया, मीरा शर्मा, निर्मला प्रजापति, शीला मंडल, शिव कुमार साव, हितेश यादव, पीएस सिन्हा, आकाश क्षत्रिय, अविनाश कुमार धीरज, नवीन प्रताप सिंह, लोकेश कुमार, अजय उपाध्याय, केएस सजीव, नूतन वर्मा, सरस वर्मा, मेघनाथ साहू, गणेश सोनी, अजय तिवारी, हर्ष शर्मा, बलजिंदर सिंह ढिल्लों, टी. शंकर, डी. वेंकटेश्वरलू, सुभाष जगत, आरके सिन्हा, भरत लाल, साविक राम, योगेंद्र कुमार, जय हरपाल, सोनू केशरी, संजीत कुमार यादव, राहुल सिंह, दया निधि विभोर, शंकर पात्रों, डी.डी. वैष्णव, रामेश्वर शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रगीत का गायन किया गया। इसके बाद सभी उपस्थित लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

# नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा के प्रयास रंग लाए, तालाबों के गहरीकरण से बढ़ा जलस्तर

**बेमेतरा।** नगर में जल संरक्षण एवं भूजल स्तर को बढ़ाने की दिशा में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा के प्रयास अब सकारात्मक परिणाम देने लगे हैं। नगर पालिका द्वारा विभिन्न तालाबों के गहरीकरण एवं जल संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों के चलते तालाबों में जलभराव की क्षमता बढ़ी है, जिसका सीधा असर आसपास के भूजल स्तर (वाटर लेवल) पर देखने को मिल रहा है। तालाबों के गहरीकरण से वर्षा जल को अधिक मात्रा में संग्रहित करने की क्षमता बढ़ी है। इससे बारिश का पानी लंबे समय तक तालाबों में ठहरने के साथ-साथ जमीन के भीतर भी रिसाव कर रहा है। परिणामस्वरूप आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर में सुधार होने लगा है। गर्मी के दिनों में जल संकट की स्थिति से निपटने और लोगों को पर्याप्त जल उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नगर में उपलब्ध जलस्रोतों को संरक्षित एवं विकसित करने के साथ-साथ तालाबों का गहरीकरण कराया जा रहा है, ताकि वर्षा जल का अधिक से अधिक संचयन हो सके और आने वाले समय में नागरिकों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि नगर पालिका द्वारा तालाबों के संरक्षण, सफाई, गहरीकरण एवं जल संचयन को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके सकारात्मक परिणाम आने वाले समय में और बेहतर दिखाई देंगे। नगरवासियों ने भी तालाब गहरीकरण सहित जल संरक्षण के कार्यों को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि इससे न केवल तालाबों का स्वरूप बेहतर हुआ है, बल्कि भूजल स्तर में सुधार होने से क्षेत्र के लोगों को भी इसका लाभ मिल रहा है। जल बचाओ, जलस्रोत बचाओ और भविष्य सुरक्षित बनाओ की सोच के साथ नगर पालिका द्वारा किए जा रहे ये प्रयास पर्यावरण संरक्षण एवं जल संकट से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं।

# एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्क ने किया थाना खम्हरिया का औचक निरीक्षण

**बेमेतरा।** एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का ने थाना खम्हरिया का औचक निरीक्षण किया। एसडीओपी बेमेतरा ने निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी/ कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाये जाने के साथ ही कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बनाये रखते हुए बेहतर पुलिसिंग के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। निरीक्षण के दौरान जप्ती माल, मालखाना, जप्ती रजिस्टर, जरायम, शिकायत, ड्यिुटी रजिस्टर, मुर्त रजिस्टर, हिस्ट्रीशीट, ग्राम अपराध पुस्तिका, फ्रिंगर प्रिंट रजिस्टर, थाना एवं चौकी की अन्य रजिस्टर व तख्ती चेक किये एवं थाना का भ्रमण कर थाना की साफ-सफाई हेतु विशेष ध्यान रखने हेतु तथा लंबित अपराधो, मर्ग, गुम, शिकायत और लंबित वारंटो की निकाल करने एवं असमाजिकतत्वो के विरूद्ध अधिक से अधिक प्रतिबंधात्मक एवं बाउंड ओवर की कार्यवाही करने व असामाजिक तत्वों तथा निगरानी बदमाशों, गुण्डों, शराब पीकर हुल्लड/मारपीट करने वालों के विरूद्ध सख्त प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने निर्देश दिए गए। तथा वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त पत्रों का सही समय में निकाल करने एवं वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त दिशा निर्देशों का पालन करने, ई-साक्ष्य का उपयोग करने व समस्त स्टाफ को ड्यिुटी के दौरान निर्धारित साफ सुथरी वर्दी धारण करने तथा थाना में रिपोर्ट करने आये महिला आगंतुक / रिपोर्टकर्ता से संयमित व्यवहार करने एवं उनकी रिपोर्ट को गंभीरता पुर्वक लेते हुये तत्काल उचित कार्यवाही करने तथा अवैध कारोबारियो, अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली दवा एवं अन्य अवैध कार्यो में लिप्त लोगो के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने, मजबूत सूचना तंत्र विकसित कर बेहतर पुलिसिंग करने, निर्देशित किया गया।

# वनांचल के तरेगांव में 97 गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क सोनोग्राफी

**कवर्धा।** वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े, इसे लेकर कवर्धा विधायक एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तरेगांव में निःशुल्क सोनोग्राफी जांच एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में तरेगांव सेक्टर के विभिन्न दूरस्थ गांवों से पहुंची 97 गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी जांच की गई। वहीं सामान्य स्वास्थ्य जांच के लिए पहुंचे 106 लोगों की ओपीडी जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाएं एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। शिविर में तरेगांव जंगल, मगरवाड़ा, लरबक्की, सीली, भरतपुर, जुनवानी, दुर्जनपुर, बरपानी, राली, कुरकुरापानी, जोकपानी, केशरमदा, मुकाम, बैरक, बैजलपुर सहित आसपास के गांवों की गर्भवती महिलाएं लाभान्वित हुईं। वनांचल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच को लेकर आयोजित इस शिविर को ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। समय पर जांच से हाई रिस्क गर्भावस्था की पहचान

शिविर के दौरान गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच, पौष्टिक आहार, एनीमिया से बचाव, संस्थागत प्रसव और सुरक्षित मातृत्व के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा गर्भावस्था के दौरान किसी भी तरह की परेशानी होने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी। सोनोग्राफी जांच के माध्यम से गर्भ में पल रहे शिशु के विकास, धड़कन, प्लेसेंटा, गर्भ में तरल की स्थिति सहित अन्य आवश्यक पहलुओं की जांच की जाती है। इसके साथ ही गर्भावस्था से जुड़ी संभावित जटिलताओं की समय रहते पहचान करने में भी मदद मिलती है। हाई रिस्क गर्भावस्था की समय पर पहचान होने से चिकित्सकों को आवश्यक उपचार और प्रसव की बेहतर तैयारी करने में सहायता मिलती है। विधायक विजय शर्मा ने कहा कि वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती माताओं को समय-समय पर आवश्यक जांच की सुविधा उनके नजदीक ही मिलनी चाहिए। उन्होंने सीएमएचओ और बीएमओ को निर्देश दिए हैं कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर लगातार आयोजित किए जाएं, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच हो सके और किसी भी संभावित जोखिम का समय रहते पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच केवल शहरों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उनके नजदीक उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से तरेगांव में यह शिविर आयोजित किया गया और आगामी समय में भी ऐसे शिविरों का आयोजन जारी रखने की बात कही गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र तूरे ने बताया कि गर्भवती महिलाओं तक जांच सुविधा पहुंचाने के लिए सोनोग्राफी एवं स्वास्थ्य शिविरों की श्रृंखला आगे भी जारी रहेगी। वहीं बीएमओ डॉ. पुरुषोत्तम राजपूत ने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय रहते पहचान संभव होती है, जिससे सुरक्षित प्रसव और स्वस्थ शिशु की संभावना बढ़ती है।

# सम्मान के साथ हुआ काव्य संग्रह 'अंतर ज्योति' का विमोचन

**बल्लीराजहरा।** छत्तीसगढ़ की माटी की साहित्यिक गंध और मां की ममता और मानवता से सराबोर काव्य संग्रह अंतर ज्योति का विमोचन राजधानी में बड़े सम्मान के साथ हुआ। दल्लीराजहरा शहर की वरिष्ठ समाजसेविका एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित साहित्यकार, कवियित्री डॉ. शिरोमणि माथुर को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सम्मानित किया। अगसदिया परिवार एवं वैभव प्रकाशन के संयुक्त द्वतत्वावधान में विधानसभा अध्यक्ष के निजी सभा कक्ष में सम्मान, पुस्तक विमोचन एवं व्याख्यान का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर तीन पुस्तकों का विमोचन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्व, आपदा प्रबंधन, पुनर्वास एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने की। डॉ. रमन सिंह ने डॉ. शिरोमणि माथुर को शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद उनके काव्य संग्रह अंतर ज्योति का विमोचन किया। डॉ. रमन सिंह ने कहा- मां की हर रचना में ममता और छत्तीसगढ़ की माटी की महक के साथ-साथ मानवीयता महसूस होती है। डॉ. शिरोमणि माथुर की साहित्य साधना इस उम्र में भी अविरल चल रही है। यह अपने आप में प्रेरणादायक और वंदनीय है। उन्होंने आगे कहा- उम्र के इस पड़ाव में जब हाथ कांपने लगते हैं, कदम डगमगाने लगते हैं और आंखें जवाब देने लगती हैं, तब भी शिरोमणि माथुर कलम के माध्यम से समाज को दिशा दे रही हैं। उनकी यह साधना स्तुत्य है। डॉ. रमन सिंह ने डॉ.माथुर को स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश को ऐसे साहित्यकारों पर गर्व है। उन्होंने डॉ. माथुर के साथ साये की तरह खड़े रहने वाले उनके सुपुत्र युवा उद्यमी आशुतोष माथुर की मातृभक्ति और समाजसेवी पहल की भी सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि डॉ. शिरोमणि माथुर और माथुर परिवार का सामाजिक और साहित्यिक योगदान अनुकरणीय है। उन्होंने कहा- आशुतोष माथुर जैसे युवा जब साहित्य और समाजसेवा में रुचि लेते हैं, तो समाज को नई दिशा मिलती है। ऐसे परिवारों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

**अंतर ज्योति - तनाव के युग में प्रेम का संदेश**

अपनी पुस्तक अंतर ज्योति के बारे में डॉ. शिरोमणि माथुर ने विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मानव मानसिक रूप से बहुत परेशान है। आज हर तरफ वाक् युद्ध और शीत युद्ध चल रहे हैं। जन्म से मृत्यु तक मानव संघर्षरत है। तनाव के कारण लोग अपनों से झगड़ते हैं, लड़ते हैं। कहीं हत्या तो कहीं आत्महत्या हो रही है। ऐसी जिंदगी कब तक चलेगी? डॉ. माथुर ने कहा कि उनकी रचनाएं इसी अशांति का समाधान खोजती हैं। मेरा साहित्य संसार को प्रेम, शांति और आनंद देने के लिए रचा गया है। जीवन को आनंदमय कैसे बनाया जाए, समाज में शांति और पवित्रता कैसे लाई जाए - यही मेरा उद्देश्य है। मानव सच्चे प्रेम का प्यासा है। हमारे अंदर प्रेम है, बस उसे निकालने की देरी है। डॉ. माथुर ने अंतर ज्योति की कुछ रचनाएं भी सुनाईं। उन्होंने कहा - अपने अंदर की ज्योति जलाने से सारा जग जाग जाएगा। इसके लिए कुछ नहीं करना, बस दुआएं देनी हैं।

अंधेरा मन में बसा, मंदिर दीप जलाएं।
अंतर ज्योति जगाइए, सारा जग जाए।
सदा दुआएं दीजिए, काम दुआएं आए।
पैसा से मिलती दुआ, दुआ न हाट बिकाय।
नहीं रंग है दुआ का,
नहीं दिखाई देय।
लग जाती किसी को,
सभी रंग भर देय।।

कविता के बाद उन्होंने कहा - देखिए, दुआ का कोई रंग नहीं होता। जब किसी को लग जाती है तो जीवन में सभी रंग भर देती है। बस मेरा उद्देश्य यही है - सभी को प्रेम बांटो, सभी को दुआएं दो। ताकि संसार से दुख और अशांति दूर हो जाए। इस अवसर पर साहित्यिक संस्था अगसदिया परिवार ने डॉ. रजनी नेल्सन, दिनेश चौहान, साहित्यकार गिरीश पंकज, कैलाशचंद जैन बरमेचा और यमुनोत्री वर्मा को भी सम्मानित कर तीन नई कृतियों का विमोचन किया।

# संत शिरोमणि रविदास की जयंती पर राज्य अलंकरण पुरस्कार की घोषणा का स्वागत : अनिल खोबरागड़े

**बल्लीराजहरा।** संत शिरोमणि रविदास की 650 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय कलश वंदन अभियान का शुभारंभ करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास के आदर्शों और सामाजिक समरसता के संदेश को सम्मान देते हुए उनके नाम पर गुरु रविदास राज्य अलंकरण पुरस्कार की घोषणा किए जाने, उनकी जयंती माघ पूर्णिमा के दिन पूरे प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने एवं नया रायपुर के एक प्रमुख चौक का नाम संत रविदास के नाम पर करने की घोषणा का स्वागत करते हुए अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व सदस्य, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल खोबरागड़े ने कहा कि संत रविदास द्वारा 650 वर्ष पूर्व सामाजिक समरसता, भाईचारा एवं मानवता का जो संदेश दिया था वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने एवं उनकी विरासत को सहेजने का जो काम कर रही है वह अनुकरणीय है।

# पत्नी पर प्राणघातक हमला के मामले में आरोपी गिरफ्तार

**बेमेतरा।** पारिवारिक विवाद के चलते आवेश में आकर हंसिया से अपनी पत्नी की गला में प्राणघातक हमला कर गंभीर चोट पहुचाने के मामले में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रार्थीया मीनू कुर्रे उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम मुमहेला, थाना आरंग जिला रायपुर, हाल ग्राम मुरकुटा थाना नांदघाट जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि इसके पति लेखराम कुर्रे के साथ गांव मुमहेला में छोटी छोटी बातो को लेकर मारपीट किया था जिसके कारण आहत मीनु कुर्रे अपने चारो बच्चो को लेकर अपने मायके ग्राम मुरकुटा आकर रह रही थी कि उसके पति लेखराम कुर्रे ग्राम मुरकुटा आया था और 31.07.2026 को सुबह करीबन 10 बजे आहत घर के परछी ग्राम मुरकुटा में चावल साफकर रही थी उसी समय इसका पति लेखराम कुर्रे बच्चो के साथ घर चलना है तैयार हो जाओ कहने पर पत्नी मीनु कुर्रे के द्वारा छोटी -छोटी बातो को लेकर वाद विवाद कर मारपीट करते हो नहीं जाउंगी कही तो लेखराम कुर्रे कैसे नहीं जाओगी कहते हुए आवेश में आकर हत्या करने की नियत से घर के परछी में रखे हँसिया से मेरे गला में वार कर दिया, पास मे बैठी इसकी बहन लेखराम कुर्रे को धक्का देकर हटाया और मार रहा है कहकर चिल्लाई तो लेखराम कुर्रे हसिया को वही पर छोड़कर भाग गया। घटना की जानकरी आसपास के लोगो को पता चलने पर गांव के मितानीन दीदी ने 112 वाहन में फोन कर सूचना दिया तो 112 वाहन के आने पर मितानीन दीदी के साथ ईलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवागढ़ लेकर आये। अपने पति लेखराम कुर्रे के द्वारा हसिया से वार करते समय अपने हाथ से नही रोकती एवं मेरी छोटी बहन धक्का देकर उसे नहीं हटाती तो निश्चित ही वह हसिया से वार कर मेरी हत्या कर देता हसिया से वार करने पर मेरी गला के सामने हिस्सा मे चोंट लगकर खून निकली है रिपोर्ट पर थाना नांदघाट में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी लेखराम कुर्रे ऊर्फ सोनु को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना अपराध स्वीकार किया। पुछताछ में पता चला कि पारिवारिक विवाद के चलते आवेश में आकर चलो घर चलना है बोलने पर पत्नी द्वारा घर नही जाउंगी बोलने पर चुल्हा के पास रखे हसिया से गला में प्राणघातक हमला करना। प्रकरण में आरोपी लेखराम कुर्रे ऊर्फ सोनु पिता तिजु राम कुर्रे उम्र 29 वर्ष, निवासी मुमहेला थाना आरंग जिला रायपुर को 08 अगस्त 2026 को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर, प्रशिक्षु उप निरीक्षक ईश्वरी डुप्ले, प्रधान आरक्षक अशोक तिर्की।

# सावन तीज मिलन में ब्राह्मण संस्कृति की भव्य झलक प्रतिभा सम्मान से बढ़ा गौरव

**बेमेतरा।** सावन की हरियाली और तीज की उमंग के बीच सर्व ब्राह्मण समाज महिला मंच, बेमेतरा द्वारा आयोजित सावन तीज मिलन कार्यक्रम रंग, उल्लास और सांस्कृतिक परंपराओं से सराबोर रहा। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने गीत-संगीत, झूला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से तीज पर्व की जीवंत झलक प्रस्तुत की, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और उमंग से भर उठा। कार्यक्रम ने ब्राह्मण समाज की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और महिला एकता का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा श्रद्धा शर्मा की सुपुत्री आकांक्षा शर्मा का सम्मान, जिन्हें चिकित्सक बनने की उपलब्धि पर मंच द्वारा शॉल-श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदित किया गया। उपस्थित महिलाओं ने तालियों की गूंज के बीच उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंच पर नवागढ़ से सुधा विकास दीवान, खम्हरिया से अर्चना शर्मा, साजा से सरिता तिवारी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष उमा तिवारी, ब्लाक अध्यक्ष रजनी चौबे सहित अन्य पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंचासीन अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हु सुधा विकास दीवान ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी समन्वय और सहयोग की भावना मजबूत होती है तथा महिलाओं को एक सशक्त मंच मिलता है। उमा तिवारी (महिला मंच जिला अध्यक्ष) ने कहा कि सावन तीज जैसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक पहचान को सशक्त करते हैं और महिलाओं को एकजुट कर समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। वर्षा गौतम (जिला महासचिव) ने कहा कि बेटियों की शिक्षा और उपलब्धियां समाज के विकास की आधारशिला है, ऐसे प्रतिभाओं का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है। निशा चौबे (तहसील अध्यक्ष) ने तीज पर्व की महत्ता बताते हुए कहा कि यह पर्व नारी शक्ति और समर्पण का प्रतीक है, जिसे मिलजुलकर मनाना हमारी परंपरा है। रजनी चौबे (ब्लाक अध्यक्ष) ने कहा कि प्रतिभाशाली बेटियों का सम्मान समाज को नई दिशा देता है और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनता है। शिल्पी मिश्रा (नगर अध्यक्ष) ने कहा कि महिला मंच के माध्यम से सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। कार्यक्रम में श्रद्धा शर्मा, पार्वती दुबे, अन्नपूर्णा दुबे, करुणा तिवारी, निवेदिता तिवारी, अन्नू पांडे, रानी दुबे, शशि किरण तिवारी, दीपा भट्ट, अंजू शर्मा, सीमा दुबे, अंजलि दुबे, भावना तिवारी, मीनाक्षी तिवारी, मीनू तिवारी, निहारिका तिवारी, सोनिया शर्मा, रिंकी पांडे, सविता तिवारी, विनीता मिश्रा सहित बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता रही। वहीं नवागढ़ से सरला दिवान, साजा से स्वाति गौराहा, पतोरा से मीना शर्मा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने कार्यक्रम को भव्य बनाया।

# 138 करोड़ की लागत से नांदघाट मुंगेली रोड होगा फोरलेन

**बेमेतरा।** राज्य शासन ने बेमेतरा जिले के नांदघाट से मुंगेली जिला मुख्यालय तक पूर्व में स्वीकृत टू-लेन सड़क को फोरलेन करने 21 करोड़ 81 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की है। राज्य शासन ने वर्ष-2024 में सी.आर.आई.एफ. योजना के अंतर्गत टू-लेन नांदघाट-मुंगेली मार्ग के निर्माण के लिए 116 करोड़ रुपए मंजूर किए थे। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने इस सड़क को टू-लेन से फोरलेन में परिवर्तित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए थे। उनके निर्देश के अनुपालन में नांदघाट-मुंगेली मार्ग के टू-लेन से फोरलेन में उन्नयन के लिए राज्य शासन ने 21 करोड़ 81 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की है। पूर्व में स्वीकृत 116 करोड़ और गुरुवार को स्वीकृत 21 करोड़ 81 लाख को मिलाकर अब कुल 137 करोड़ 81 लाख रुपए की लागत से नांदघाट और मुंगेली के बीच 36.40 किमी फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। क्षेत्रवासी राज्य मार्ग नांदघाट-मुंगेली को फोरलेन करने की मांग लंबे समय से कर रहे थे। राज्य शासन द्वारा अतिरिक्त राशि स्वीकृत करने से क्षेत्र की एक बड़ी मांग पूरी हो रही है। इस मार्ग के फोरलेन हो जाने से मुंगेली, लोरमी, पंडरिया तथा पंडरिया होते हुए मध्यप्रदेश के लोगों का राजधानी रायपुर आवागमन तेज, सुगम एवं सुरक्षित हो जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com